दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 197
मुरादाबाद
(Sunday)
09 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ काशी से रवाना

हुई वंदे भारत, पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

बनारस रेलवे स्टेशन पर पहली बार पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा।बनारस रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, वहां मौजूद लोगों ने हर-हर महादेव का जयघोष किया और ट्रेन काशी से खजुराहो के लिए रवाना हो गई। लोगों ने हाथ उठाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन भी किया।आठ कोच वाली इस उद्घाटन स्पेशल ट्रेन में पहले दिन 400 से ज्यादा लोगों ने सफर किया। सुबह 8.41 बजे बनारस से निकली ट्रेन शाम 4.30 बजे खजुराहो पहुंचेगी।बनारस रेलवे स्टेशन पर ऐसा पहली बार हुआ जब प्रधानमंत्री ने खुद किसी गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर प्रधानमंत्री सुबह 8.16 बजे पहुंचे। इसके बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसमें बनारस से खजुराहो वाली ट्रेन को ऑफलाइन जबकि लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर कैंट- दिल्ली और एर्नाकुलम से बंगलूरू तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का ऑनलाइन उदघाटन किया गया।इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेलवे स्टेशन परिसर में आने पर स्वागत किया। प्लेटफार्म नंबर 8 पर मौजूद बड़ी संख्या मे लोगो ने हर हर महादेव,हर हर मोदी का जयघोष किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।बनारस से चलने वाली आठवीं वंदेभारत ट्रेन नंबर 02582/02581 वाराणसी-खजुराहो-वाराणसी ट्रेन नंबर 22415/22416-वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी ट्रेन नंबर 22435/22436 वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी ट्रेन नंबर 22500/22499 वाराणसी-देवघर-वाराणसी ट्रेन नंबर 22489/22490 वाराणसी-मेरठ-वाराणसी ट्रेन नंबर 22345/22346 गोमतीनगर-वाराणसी-पटना ट्रेन नंबर 20887/20888 वाराणसी-रांची-वाराणसी ट्रेन नंबर 20175/20176 वाराणसी-आगरा कैंट-वाराणसी

संक्षिप्त समाचार

भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का विरोध कर रहे महागठबंधन वाले, सीएम योगी बोले...

सीएम योगी आदित्यनाथ इन दिनों बिहार के दौरे पर हैं। शनिवार को राजद-कांग्रेस पर जमकर बरसे। सीएम योगी को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़े। इस दौरान सीएम योगी ने यूपी की कानून व्यवस्था का जिक्र किया। यूपी के योगी आदित्यनाथ की बिहार विधानसभा चुनाव में ताबड़तोड़ रैली जारी है। शनिवार को उन्होंने पिपरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्यामबाबू प्रसाद यादव के पक्ष में जनसभा कर कमल खिलाने की अपील की। उन्होंने कहा, भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। जो राम का विरोध और आस्था का अपमान करते हैं, उन्हें कतई वोट नहीं देना है। कांग्रेस राम को नकारती थी, राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी। राजद व सपा सरकारें रामभक्तों पर गोली-लाठी चलाती थीं, तब भी रामभक्त कहता था कि लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। यूपी में एनडीए सरकार बनी तो अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो गया। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट महर्षि वाल्मीकि, रैनबसेरा निषादराज, रसोई मां शबरी के नाम पर बनी है। सीतामढ़ी में भी मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। कांग्रेस और महागठबंधन वाले भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं।

काशी में पीएम मोदीः छात्र की कविता सुनकर बोले- मुझे गर्व है इतने प्रतिभाशाली हैं मेरे शहर के बच्चे

पीएम मोदी ने छात्र की कविता सुनने के बाद उसे शाबाशी दी। इसके साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि काशी का सांसद होने के चलते मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बनारस रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान वे स्कूली बच्चों से मिले। उनके समक्ष एक छात्र ने अपनी कविता की प्रस्तुति दी तो पीएम ने उसे शाबाशी दी। उन्होंने स्कूली बच्चों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम ने काशी के बच्चों की प्रतिभा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन के दौरान विद्यार्थियों ने विकसित भारत पर सुंदर कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में ले जाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में काशी की भूमिका अग्रणी रहेगी। हमें काशी की ऊर्जा और गति बनाए रखनी है, ताकि भव्य काशी, समृद्ध काशी का सपना साकार हो सके।पीएम से मिलकर बच्चों में उत्साह

उधर, पीएम मोदी से मिलने के बाद छात्र- छात्राओं की खुशी का ठिकाना न रहा। सभी अपने-अपने अनुभव साझा करते रहे। पीएम से मिलकर उनके चेहरे पर अलग रौनक दिखी।

जिम्मेदारी नहीं निभा रहा; संविधान में एसआईआर का कोई प्रावधान नहीं

कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने कहा, चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। वह कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ईसीआई आधार कार्ड को आईडी नहीं मान रहा है, तो पीएम नरेंद्र मोदी खुद जवाब दें। क्योंकि वे लगातार आधार का ही बखान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में एसआईआर का कोई प्रावधान नहीं है।इसलिए संविधान बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू हो रहा है। इसका हर हाल में विरोध किया जाएगा। राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा। इसे रोकने की मांग की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सांसद पी एल पुनिया, सांसद उज्ज्वल रमन सिंह, किशोरी लाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

एक से 19 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र, राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी कि एक से 19 दिसंबर तक संसद का शीतकालीन सत्र चलेगा। इसके लिए राष्ट्रपति मुर्मू ने मंजूरी दे दी है।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह सत्र 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 19 दिसंबर 2025 तक चलेगा।किरेन रिजिजू ने ट्वीट में लिखा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन)। एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा है जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।मानसून सत्र में बर्बाद हुए थे 166 घंटे- इससे पहले संसद का मानसून सत्र 21 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। मानसून सत्र में एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के 166 घंटे बर्बाद हो गए थे। इससे जनता के टैक्स के करीब 248 करोड़ रुपये डूब गए। विशेष चर्चा के बाद ऑपरेशन सिंदूर मामले में टकराव टला, मगर एसआईआर को लेकर सियासी संग्राम अंतिम दिन तक जारी रहा। हंगामे के कारण लोकसभा के 84.5 घंटे, जबकि उच्च सदन राज्यसभा के 81.12 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा की कार्यवाही 38.88 घंटे ही चल सकी।किसी भी सदन की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। यानी एक घंटे का खर्च लगभग 1.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे लोकसभा में कार्यवाही न चलने से 126 करोड़ रुपये और राज्यसभा में करीब 122 करोड़ बर्बाद हुए। हालांकि, अंतिम नौ कार्य दिवसों में ताबड़तोड़ विधायी कामकाज निपटाए गए। राज्यसभा में 15 तो लोकसभा में 12 विधेयक पारित किए गए। संसद के कितने सत्र होते हैं?- वर्ष में लोक सभा के तीन सत्र आयोजित किए जाते हैं। संसद का बजट सत्र किसी वर्ष में फरवरी के महीने से मई महीने के दौरान चलता है। इस अवधि के दौरान बजट पर विचार करने तथा मतदान और अनुमोदन के लिए बजट को संसद में प्रस्तुत किया जाता है। विभागों से संबंधित समितियां मंत्रालयों और विभागों की अनुदानों की मांगों पर विचार करती हैं और इसके बाद संसद को अपने प्रतिवेदन सौंपती हैं। वहीं दूसरा मानसून सत्र होता है जिसकी अवधि जुलाई से अगस्त के बीच होती है। साल का अंत शीतकालीन सत्र से होता है जो नवंबर से दिसंबर के बीच बुलाया जाता है।

भारत रत्न आडवाणी का जीवन के 98वें वसंत में प्रवेश, पीएम मोदी ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

देश के पूर्व गृह मंत्री और भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी आज 98 वर्ष के हो गए। जीवन के 98वें वसंत में प्रवेश करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। एक्स पर लिखे पोस्ट में पीएम मोदी ने आडवाणी के लिए अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आज यानी आठ नवंबर को 98 वर्ष के हुए आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने उन्हें दूदर्शी, विद्वान और स्टेट्समैन बताया। उन्होंने कहा कि आडवाणी का जीवन देश के विकास को मजबूत करने को समर्पित रहा है। अच्छी सेहत और लंबी आयु की कामना पीएम मोदी ने देश के पूर्व गृह मंत्री आडवाणी के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए कहा, %उन्होंने सदैव निस्वार्थ कर्तव्य और अटल सिद्धांतों की भावना को अपनाया है। उनके योगदान ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे।%आडवाणी को उपराष्ट्रपति, गृह मंत्री समेत कई हस्तियों ने दीं शुभकामनाएं प्रधानमंत्री मोदी के अलावा कई अन्य सियासी हस्तियों ने भी आडवाणी को जन्मदिन पर बधाई संदेश भेजे। उन्हें शुभकामना संदेश देने वाले लोगों उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई अन्य लोगों के नाम भी शामिल रहे। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, %एक प्रतिष्ठित राजनेता और भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के मार्गदर्शक, आडवाणी जी ने अपना जीवन राष्ट्र की प्रगति, एकता और सांस्कृतिक समरसता के लिए समर्पित कर दिया है। अपने गौरवशाली करियर के दौरान, उन्होंने स्थायी आदर्शों, दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अथक प्रयासों ने पीढ़ियों को सत्यनिष्ठा, देशभक्ति और निस्वार्थ कर्तव्य के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया है।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आडवाणी के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। नायडू ने अच्छी सेहत और लंबे जीवन की कामना भी की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छह दिवसीय विदेश दौरे पर रवाना

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) शनिवार और रविवार को गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र का पहला पूर्ण एयर शो आयोजित करेगी। इसमें राफेल, सुखोई, अपाचे और आईएल-78 रिफ्यूलर जैसे 75 लड़ाकू विमान हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को शामिल होंगे। रक्षा पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि आयोजन का मकसद युवाओं को प्रेरित करना और राष्ट्र सेवा की भावना को बढ़ावा देना है।तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने शुक्रवार को चेवेल्ला स्थित पीएमआर अस्पताल में इलाज करा रहे चेवेल्ला बस दुर्घटना के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों को दिए जा रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को पीड़ितों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।कविता ने विकाराबाद जिले के यालाला मंडल के पर्कम्पल्ली गांव की तीन बहनों, साई प्रिया, नंदिनी और तनुषा के माता-पिता येल्लय्या गौड़ और अंबिका से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी, जिनकी इस दुखद बस दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।- जम्मू-कश्मीर के सांबा में गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल जम्मू-कश्मीर के सांबा में गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में गोलीबारी की एक घटना में एक 60 वर्षीय व्यक्ति घायल हो गया। गोलीबारी रात करीब 9 बजे जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर बारी ब्राह्मणा बाजार में जे-के बैंक के एटीएम के पास हुई। उन्होंने बताया कि चन्नी करथोली गांव निवासी बिशन दास को गोली लगी है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में किसी भी तरह के आतंकी पहलू से इनकार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह घटना आपसी रंजिश या लूटपाट के प्रयास से जुड़ी हो सकती है।

संपादकीय Editorial

Pakistan's Nuclear Tests!

Has Pakistan conducted a third nuclear test, or is it conducting one, or is such a strategy in the works? US President Trump has created a sensation worldwide with this revelation. He stated that Russia, China, North Korea, and Pakistan are conducting nuclear tests. Only the US has not done so. The US conducted its last nuclear test in 1992, after Russia shocked the world with a test in 1990. There was widespread panic then. President Trump has now also said that the US cannot sit idly by, and therefore, there is a strong possibility that the US will conduct a nuclear test again after three long decades! However, Trump's statements are not entirely reliable, as he is prone to making baseless claims, but we believe that the US President cannot make frivolous statements regarding nuclear tests. President Trump has included Pakistan in the group of Russia, China, and North Korea, revealing that all these countries are engaged in nuclear testing. For example, Russia has launched the 'Khabarovsk' nuclear submarine, which is powered by a nuclear reactor. It is effective up to 500 meters underwater and is a very destructive weapon. Russia also recently tested a missile capable of striking targets up to 14,000 km away, which has frightened the US and the rest of the world. Its warheads are also nuclear. China has also issued a statement saying that it will not be the first to use nuclear weapons. Our weapons are for self-defense. Furthermore, President Trump also revealed that such tests are conducted deep underground. The tremors caused by them are classified as 'earthquakes'. Since tremors of a 6.3 magnitude earthquake were felt in Afghanistan last Sunday, resulting in 20 deaths, and such tremors were not felt in any part of India, even though Pakistan is a neighboring country. In fact, Pakistan is a brotherly country to India. This could be a serious question. The question also arises: can a country burdened with a debt of 103.38 trillion Pakistani rupees, a debt equivalent to 70 percent of its GDP, with each citizen owing $1230.5, and with over 40 percent of its population living below the poverty line, even contemplate or conduct a nuclear test? Following President Trump's revelation, Pakistan is in a state of shock and confusion. There has been no reaction from the intelligence agency ISI or the army. Most ministers and military officers are also unaware of the situation. Pakistan cannot deny President Trump's statement because its "master" (the US) would be angered, and the flow of loans would stop. If Pakistan officially confirms a nuclear test, the International Atomic Energy Agency (IAEA) could take strict action. The IAEA could seal Pakistan's nuclear program and seize its nuclear weapons. The US could also impose economic sanctions on Pakistan. Another question is whether nuclear tests can be conducted secretly? India conducted five nuclear tests simultaneously in Pokhran in May 1998. In response, Pakistan also conducted a total of five tests under Chagai-1 and 2 on May 29-30, 1998. No nuclear tests have been conducted since then, but concerns have been raised in Pakistan regarding the security of its nuclear weapons, with fears that they could fall into the hands of terrorists or that Pakistan might even lease nuclear weapons to Muslim countries like Saudi Arabia. Is this possible? Given this insecurity surrounding Pakistan's nuclear weapons, questions have also been raised regarding India's sovereignty and integrity. Concerns have been expressed about the threats. However, the army has issued a statement clarifying that India is capable of facing every threat and challenge. Even if a nuclear test is being conducted, the Indian armed forces and borders are vigilant. However, we are awaiting an official statement from the Ministry of External Affairs.

The Challenge for Nitish Kumar to Remain Decisive: A Tough Test in This Election

For Bihar's two major parties, the BJP and the RJD, Nitish Kumar remains essential only as long as he is a necessary component for forming a government. This time, several smaller parties are also contesting the elections, targeting the EBC (Extremely Backward Classes) vote bank, which will directly impact the JDU's vote share. Nitish Kumar's political significance faces a tough test in the Bihar elections. A few days ago, Union Home Minister Amit Shah announced at an election rally that there is currently no 'vacancy' for the Chief Minister's post in Bihar. This statement was seen as an endorsement of Nitish Kumar as Chief Minister. However, a few days before that, Shah himself had said that the decision on the Chief Minister's name would be made after the results. Clearly, there is uncertainty within the BJP, an ally of the NDA, regarding the Chief Minister's position, but it is also true that Nitish Kumar is at the center of all election discussions. In the Bihar political landscape, Nitish Kumar's JDU is currently in third place, but his importance in the state's complex politics can be understood from the fact that no government has been formed in the state without him since 2005. The indications from Bihar's socio-political equations suggest that even after this election, a new government may not be formed without the JDU. If a party, despite being in third place in the assembly, can claim that its leader remains so indispensable in the power game, it clearly means that he has become a major brand in the state's politics. This brand wasn't created overnight. Socialist leaders like George Fernandes, who were uncomfortable with Lalu-Rabri's politics, crafted this brand keeping in mind Bihar's social equations. In the context of political polarization between Mandal and Kamandal politics, such a brand could not have gained acceptance without making inroads into the OBC and minority vote bank consolidated around Lalu. Like Uttar Pradesh, Bihar also began to realize that the benefits of social justice were being enjoyed only by a few dominant and influential castes. That is why a new EBC vote bank was created. Nitish Kumar, a clean-image, educated leader from the Kurmi community, was made its face. The Janata Dal was split, and a separate Samata Party was formed, which allied with the BJP. After a long struggle, this is what emerged as the brand of change in Bihar in 2005. Of course, George was the architect of Brand Nitish, but the BJP also marketed it extensively. The reason was that without projecting one of the symbols of social justice, the liberation of Bihar from the Lalu-Rabri regime was not possible. After Narendra Modi became Prime Minister, the BJP's acceptance among the OBCs increased, but before that, it was considered a party of upper castes in Bihar, and its distance from minorities was also well-known. The BJP's calculation was that without penetrating Lalu's OBC-minority vote bank through Nitish, neither change nor its future in Bihar was possible. The election slogan of Lalu-Rabri's "jungle raj" also proved very effective in that wave of change. The new generation has to be reminded of Lalu-Rabri's "jungle raj," while everyone is a witness to Nitish's rule. The JDU and BJP became complementary to each other in Bihar politics. Of course, Nitish initially benefited from this and became a big brand as the hero of the politics of change. A major reason for this was also the lack of a face with broad social acceptance within the BJP. Meanwhile, the BJP has also succeeded in increasing its support base in the state over the past 20 years. The number of seats in the assembly and the vote percentage in elections are proof of this, but it has not been able to establish any face of its own around Brand Nitish. Now, Tejashwi Yadav represents the politics of Lalu-Rabri against Nitish. He has largely succeeded in retaining his traditional 'M-Y', i.e., Muslim-Yadav vote bank, but has not been able to compensate for the inroads made through Brand Nitish. This ground-level socio-political arithmetic of Bihar remains the biggest strength of Brand Nitish even after two decades. On the strength of this, he remains not only essential in electoral politics but also a necessity for power for both major parties. However, the public now wants an answer from Nitish regarding where Bihar stands in the mirror of promises and claims of development. Incidentally, Nitish has switched sides not once, but twice, and has led the government in both alliances. Therefore, no one directly attacks them, because they themselves have been partners in the government. The record of Nitish Kumar's long tenure as Chief Minister shows that if the government lives up to public expectations, anti-incumbency sentiment is not inevitable. However, the JDU's declining electoral performance suggests otherwise. In the 2020 assembly elections, the JDU was reduced to just 43 seats. It is argued that Chirag Paswan, at the behest of the BJP, played a major role in this, but even such a strong blow to an established brand raises questions, the answers to which may be found in these elections. In the last assembly elections, there was a tough contest between the NDA and the Grand Alliance. The NDA won 125 seats, while the Grand Alliance was stuck at 110. The RJD received the highest number of votes, 23.5 percent, while the BJP came in second with 19.8 percent. With 15.7 percent of the votes, the JDU held the key to the balance of power. However, due to questions being raised about Nitish Kumar's increasing age and health, JDU leaders also seem concerned about their political future. The challenge before Nitish Kumar is to prevent this concern from affecting the JDU's vote bank in these elections. The good thing is that no one has yet been able to level any personal allegations against Nitish. Nevertheless, if the JDU's vote bank erodes, then power... Nitish Kumar's brand image could also be affected in this election. For Bihar's two major parties, the BJP and the RJD, Nitish is only necessary as long as he remains crucial for forming a government. This time, several smaller parties are also contesting the elections, targeting the EBC (Extremely Backward Classes) vote bank, which will directly impact the JDU's vote share.

The Politics of Consensus is Missing: No Longer is There a Politics of Unanimity Between the Ruling and Opposition Parties

The absence of a politics of consensus means tension and conflict between the political class on every issue. This situation may serve the partisan interests of the ruling and opposition parties, but it certainly cannot serve the interests of the country. The Tamil Nadu government's opposition to the voter list revision, the failed opposition to the Special Intensive Revision (SIR) in Bihar, and the states' reluctance to implement central schemes: The Election Commission started a special intensive revision (SIR) of voter lists in nine states and three union territories from yesterday. ??Along with this, voices of protest against it have begun to become more vocal. The Stalin government of Tamil Nadu has approached the Supreme Court against this process. In the coming days, some more people may be seen knocking on the doors of the Supreme Court against the SIR. These may include ruling leaders in Kerala and West Bengal, as well as those who call themselves guardians of democracy. However, those who approached the Supreme Court against the SIR in Bihar had to face defeat. Despite all the arguments and propaganda, such people could not prove before the Supreme Court that the names of certain voters were being removed in Bihar under the guise of SIR with the intention of giving electoral advantage to the BJP. Innumerable apprehensions were expressed by the opposition parties and their supporters against the SIR, but they proved baseless before the Supreme Court. For this reason, SIR could not become an issue in Bihar. Even after this, it is being opposed in non-BJP ruled states like Tamil Nadu, Kerala, and Bengal. Chief Minister Mamata Banerjee even led a protest march against it. Is the opposition to the second phase of SIR happening because there is some truth in the allegations that it is being done at the behest of the BJP? If that were the case, the Supreme Court would not only have indicated this but would have also put a stop to it. The opposition to the SIR is happening under the mindset that whatever is done by the Modi government and central institutions is inherently unfair and illegal. This is why every decision of the Modi government, and even bills passed by Parliament and enacted into law, are opposed and challenged in the Supreme Court. There are no signs of this trend abating, as the politics of consensus between the ruling party and the opposition, which was once a major component of Indian politics, has completely disappeared. This was a time when there were discussions about the ruling and opposition parties working together on issues of national importance. Today, the very term "politics of consensus" has almost fallen out of use. It has been replaced by a politics of opposition for opposition's sake. The opposition to the SIR (Special Investigation Report) is happening under this very political climate. This politics has become so dominant that sometimes opposition-led state governments even hesitate to implement the central government's welfare schemes. Bengal has not implemented the central government's scheme for the development of underdeveloped districts, and the Ayushman Yojana could only be implemented in Delhi after the Aam Aadmi Party was out of power. When it was in power in Delhi, it refused to participate in the PM-SHRI scheme. Punjab and Bengal were also among those who refused. The Kerala government recently put its decision to participate in this central scheme to upgrade schools on hold because the CPI, a partner in the government, did not approve of it. It should also not be overlooked that several states have decided to reject the new education policy instead of adopting it. Now, there is no longer even an attempt to practice consensus politics on issues that were once considered national issues, not partisan ones. For example, consensus politics was practiced on some major issues of foreign and defense policy. Now, this is not the case with matters related to these issues. During Operation Sindoor, the ruling and opposition parties appeared united for only a few days, but as soon as the military operation was suspended, both sides stood against each other. Some opposition leaders did not hesitate to target the government and even the army. The same was seen during the bloody clash with Chinese soldiers in the Galwan Valley. Rahul Gandhi keeps repeating that Modi is afraid of the Chinese and American presidents. When Modi went to China to attend the SCO summit, the opposition raised questions. Recently, when the Taliban foreign minister visited India, the government's Afghan policy was questioned. It is still unclear when a trade agreement with the US will be finalized, but it is certain that whenever it happens, the opposition will hold the government accountable. One can be sure that whenever this agreement is signed, at least the Congress party will definitely say that Modi has surrendered to Trump. When even issues related to foreign and defense policy are falling prey to partisan political differences, then it is impossible to imagine that unity or consensus can be seen on other issues of national and international importance. The absence of consensus politics means tension and conflict between political parties on every issue. This situation may serve the partisan interests of the ruling and opposition parties, but it certainly cannot serve the interests of the country.

30 साल बाद प्यार पाने का चढ़ा ऐसा जुनून: प्रेमिका की खातिर अधेड़ ने पत्नी को दिया तलाक, 25 साल का रिश्ता तोड़ा

नगर के एक मोहल्ला निवासी पचास वर्षीय अधेड़ ने शादी के 25 साल के बाद प्रेमिका के खातिर अपनी पत्नी को तीन तलाक दे दिया। मामला तब सामने आया जब पत्नी ने तलाक के बाद गिले शिकवे परिवार और मायके पक्ष के लोगों से किए।यूपी के रामपुर जिले में 25 साल का पुराना शादी का रिश्ता एक झटके में टूट गया, जब एक अधेड़ ने अपनी पुरानी प्रेमिका के खातिर पत्नी को तीन तलाक दे दिया। प्रेमिका से संबंधों को लेकर पिछले एक साल से घर में कलह चल रही थी, जो आखिरकार तीन तलाक पर जाकर खत्म हुई।जानकारी के मुताबिक, नगर के एक मोहल्ला निवासी पचास वर्षीय अधेड़ ने शादी के 25 साल के बाद प्रेमिका के खातिर अपनी पत्नी को तीन तलाक दे दिया। मामला तब सामने आया जब पत्नी ने तलाक के बाद गिले शिकवे परिवार और मायके पक्ष के लोगों से किए। तलाक देने वाले अधेड़ के दामाद के अनुसार अधेड़ का प्रेम प्रसंग करीब 30 साल से मोहल्ले की एक महिला से चल रहा था। इस बीच प्रेमिका की शादी दूसरे प्रदेश उत्तराखंड में हो गई थी और अधेड़ की शादी दूसरी जगह से हो गई थी। साल भर पहले प्रेमिका के पति की किसी कारण मृत्यु हो जाती है, जिसके बाद एक बार फिर से अधेड़ और प्रेमिका के बीच की दूरियां, नजदीकियों में बदल गई और पुराना प्यार परवान चढ़ गया। सालभर के बीच अधेड़ और प्रेमिका के आपत्तिजनक फोटो भी पत्नी, बेटी, बेटे और दामाद के हत्थे लग गए। मामले का खुलासा होने पर घर में कलह होना शुरू हो गया। दामाद के मुताबिक चार दिन पहले मामला इतना बिगड़ गया कि अधेड़ ने प्रेमिका के खातिर पत्नी को तीन तलाक दे दिया। तलाक का विरोध करने पर पति ने मारपीट की कोशिश भी की। तलाक के बाद पत्नी फफक-फफक कर रो पड़ी और मायके पक्ष से शिकायत की। फिलहाल मामला चर्चाओं में है। हालांकि यह मामला अभी कोतवाली तक नहीं पहुंचा है। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार को अधेड़ की शादी होने की चर्चा चल रही थी और पीड़ित पत्नी समेत सभी लोग परेशान थे।

मसवासी में प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी युवती

रामपुर के ही मसवासी चौकी क्षेत्र के एक गांव में प्रेम प्रसंग के मामले को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है, जबकि युवती ने खुद को बालिग बताते हुए प्रेमी से अपनी मर्जी से शादी करने की बात कही है।मामला बीते दो दिन पहले का बताया जा रहा है। एक व्यक्ति ने चौकी पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाला युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। जब वह युवक के घर पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। वहीं शुक्रवार शाम को चौकी पहुंची युवती ने पुलिस को आधार पत्र सहित अपने बालिग होने के प्रमाण सौंपे और परिजनों के आरोप को निराधार बताया। युवती का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से युवक से विवाह कर लिया है। साथ ही अपने माता-पिता पर मारपीट और जबरन रोकने का आरोप लगाया है। चौकी प्रभारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि युवती ने तहरीर देकर स्वयं को बालिग बताते हुए युवक से अपनी मर्जी से शादी करने की बात कही है। जबकि परिजन नाबालिग होने के प्रमाण नहीं दिखा सके। मामले की जांच की जा रही है।

साढ़े पांच लाख से ज्यादा खातों में 133 करोड़ डंप, दस साल से लेनदेन नहीं, ऐसे वापस ले सकते हैं रकम

मुरादाबाद जिले के 5.49 लाख से अधिक खाताधारकों ने पिछले 10 वर्षों से अपने बैंक खातों में कोई लेनदेन नहीं किया है। इन खातों में करीब 133 करोड़ रुपये जमा हैं। यह रकम अब आरबीआई के डीईए फंड में जमा करा दी गई है। मुरादाबाद जिले के बैंकों के साढ़े पांच लाख से अधिक खाताधारकों ने पिछले 10 साल से लेनदेन नहीं किया है। जबकि इनके खातों में करीब 133 करोड़ रुपये की रकम जमा है लेकिन इस रकम को लेने कोई आगे नहीं आया। ऐसे में इस रकम बैंकों ने आरबीआई के डीईए (डिपॉजिट एजुकेशन एंड अवेयरनेस) फंड में जमा करा दी। धनराशि वापस करने के लिए आईबीआई ने इन खाताधारकों की तलाश शुरू कर दी है। इसका जिम्मा बैंकों को दे दिया गया है।जिले में स्थित एसबीआई, पीएनबी, केनरा, बैंक ऑफ बड़ौदा, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक समेत 31 बैंक संचालित है। इसमें सरकारी और अर्द्धसरकारी दोनों बैंक शामिल हैं। इन बैंकों की 248 शाखाओं में तकरीबन 45 लाख से अधिक खाताधारक हैं। इसमें सबसे अधिक 64 शाखाएं उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक (प्रथमा बैंक) की हैं। इसमें 5.49 लाख से अधिक खाताधारक ऐसे हैं, जिन्होंने अपने खातों में पिछले दस साल से कोई लेन-देन नहीं किया। इनके खातों में रकम है फिर भी खाताधारकों ने लेन देने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। एलडीएम पंकज सरण के मुताबिक जिले के 5.49 लाख खातों में करीब 133 करोड़ की रकम जमा है। इसमें उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सात करोड़ रुपये, एसबीआई के तीन करोड़, पंजाब नेशनल बैंक के 1.50 करोड़ रुपये हैं। इसके अलावा बाकी के बैंकों के 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीईए फंड में जमा है। बैंकों के अनुसार, बैंक खाते में सबसे अधिक धनराशि सरकारी योजनाओं की है। इसमें बहुत से खाताधारक ऐसे हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अलग से खाता खुलवाया। इन खातों में रुपये तो आ गए लेकिन खाताधारकों ने दोबारा खाते में लेनदेन नहीं किया। लेनदेन नहीं करने की कई वजह- बैंक अधिकारियों के अनुसार, इन खातों में जमा राशि को डीईए फंड में डाल दिया गया है। इसमें कुछ ऐसे खाताधारक हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। वहीं कुछ ग्राहक ऐसे भी हैं जो खाते में जमा राशि भूल गए हैं। आरबीआई के निर्देश पर बैंकों ने इन खाताधारकों व उनके वारिसों को जमा राशि को वापस करने के लिए पत्र, फोन या मैसेज के जरिए सूचना देना शुरू कर दिया है। ताकि खाताधारक बैंक आकर राशि क्लेम की प्रक्रिया पूरा कर पैसे ले सकें। डीईए फंड में जमा राशि पर ऐसे करें दावा- डीईए फंड में ट्रांसफर किए गए राशि पर दावा कर सकते हैं। इसके लिए आपको संबंधित बैंक के किसी भी शाखा में संपर्क करना होगा। केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फार्म जमा करें। बैंक आपके सभी दस्तावेजों को चैक करेगा और सही पाए जाने पर पैसे वापस कर दिया जाएगा। एलडीएम ने पंकज शरण ने बताया कि यदि बैंक खाते में 10 साल से किसी तरह का लेन-देन नहीं होता है, तो उसमें जमा राशि अनक्लेम्ड डिपॉजिट घोषित हो जाती है। इसके बाद इसे आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। पैसा वापस करने के लिए 14 को कैंप- एलडीएम पंकज शरण ने बताया कि डीईए फंड में जमा राशि को संबंधित खाताधारकों को वापस करने के लिए विकास भवन के पास स्थित आरसेटी कार्यालय में 14 नवंबर को कैंप लगाया जाएगा। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। सभी बैंक कैंप में अलग-अलग स्टॉल लगाएंगे। जहां पर डीईए फंड में जमा राशि के खाताधारक आकर दावा कर सकते हैं। इसके लिए खाताधारकों को खाता संख्या, पेन कार्ड और आधार कार्ड लाना होगा। इसके बाद बैंकों की ओर आगे की कार्रवाई की जाएगी। क्या होता है डेफ खाता- डिपॉजिटर एजुकेशनल एंड अवेयरनेस फंड को डेफ खाता बोलते हैं। यह खाता बैंकों का होता है। जिसमें लावारिस खातों की राशि जमा की जाती है। यदि ग्राहक द्वारा 10 साल तक लेनदेन नहीं किया जाता है तो जमा राशि को डेफ फंड में डाल दिया जाता है। जिसे कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ब्याज के साथ में रुपये वापस मिल जाते हैं। खातों में एक रुपये से तीन लाख तक जमा- जिन साढ़े पांच लाख खातों में दस साल से कोई लेने-देन नहीं हुआ उन खातों में अलग-अलग धनराशि जमा है। इनमें न्यूनतम एक रुपये से अधिकतम तीन लाख तक जमा है। जिन खातों अधिक धनराशि जमा है, उनके खाताधारक भी रकम नहीं पहुंचे।

एमडीए वीसी का दफ्तर कुर्क करने के आदेश, लारा कोर्ट ने प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को किया तलब

लारा कोर्ट ने मानसरोवर कॉलोनी की जमीन मामले में सुनवाई के बाद भुगतान न करने पर एमडीए वीसी के कार्यालय को कुर्क करने का आदेश दिया है। इसके अलावा प्रमुख सचिव को एमडीए वीसी के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र भेजने का निर्देश दिया है। लारा कोर्ट (भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण) ने मानसरोवर कॉलोनी की जमीन के मामले में सुनवाई के बाद एमडीए वीसी के कार्यालय को कुर्क करने के आदेश दिए हैं। आरोप है कि एमडीए ने मानसरोवर कॉलोनी की जमीन के मामले में किसान के पैसे का पूरा भुगतान नहीं किया था।इस मामले में अदालत ने एमडीए वीसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रमुख सचिव को पत्र भेजने के लिए कहा है।

लारा कोर्ट में महाराज सिंह (मृतक) के वारिसान ने एक वाद दायर किया था। आरोप लगाया कि करीब चार दशक पहले मानसरोवर कॉलोनी के लिए एमडीए ने जमीन का अधिग्रहण किया था।इस मामले में एमडीए ने उचित दर पर जमीन के पैसे का भुगतान नहीं किया। इस मामले को लेकर एमडीए भी हाईकोर्ट तक गया था। इस बीच लारा कोर्ट ने जमीन के भुगतान के मामले में दोनों पक्षों के तर्कों को सुना। कोर्ट ने कहा कि यह मामला आठ माह से लंबित है। इस मामले में कोर्ट ने भुगतान को लेकर एमडीए को चार अक्तूबर 2025 को नोटिस जारी किया था। फिर भी निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं किया गया। एमडीए ने 15 अक्तूबर 2025 को स्थगन का प्रार्थनापत्र दिया था।

भुगतान नहीं करने पर अदालत ने मामले को गंभीरता से लिया एमडीए ने कहा था कि यदि 31 अक्तूबर तक हाईकोर्ट का स्टे नहीं आता है तो एक नवंबर तक पैसे का भुगतान कर देंगे। पैसे का भुगतान नहीं होने पर अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लिया। वादी मामले में ब्याज सहित भुगतान की मांग कर रहा है। अदालत ने एमडीए वीसी अभिनव सिंह के आचरण को आपत्तिजनक माना है। इस मामले में अदालत ने एमडीए वीसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रमुख सचिव को पत्र भेजने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने आईएनएससी 329 में पारित दिशा निर्देशों के अनुपालन में एमडीए वीसी का कार्यालय कुर्क करने के निर्देश दिए हैं। अभी एमडीए की संपत्ति कुर्क के बाद विक्रय नहीं की जाएगी। एमडीए कार्यालय को सील भी नहीं किया जाएगा। आदेश 21 नियम 54 (1-ए) सीपीसी के तहत कुर्कशुदा संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा की शर्तों को तय करने के लिए एमडीए उपाध्यक्ष 18 नवंबर की सुबह 10.30 बजे व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होंगे। 12 लाख जमा करने का दावा- एमडीए की तरफ से अधिवक्ता भरत पोरवाल ने दावा किया कि कोर्ट में शुक्रवार को 12 लाख रुपये जमा किए गए हैं। इस मामले में रिकॉल के लिए प्रार्थनापत्र भी दिया गया है।द एमडीए की तरफ से अधिवक्ता भरत पोरवाल ने दावा किया कि कोर्ट में शुक्रवार को 12 लाख रुपये जमा किए गए हैं। इस मामले में रिकॉल के लिए प्रार्थनापत्र भी दिया गया है।

132 ग्राम पंचायतों में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, हर पंचायत को मिले चार लाख रुपये

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब जिले की ग्राम पंचायतों में भी बच्चों और किशोरों के लिए डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना की जाएगी। जिसमें मंडल में 758 ग्राम पंचायत और मुरादाबाद में 647 ग्राम पंचायतों में से 132 ग्राम पंचायतों, बिजनौर जिले के 143 ग्राम पंचायत,अमरोहा को 103 ग्राम पंचायत,रामपुर जनपद में 277 ग्राम पंचायतें, संभल जिले में 103 ग्राम पंचायतों को प्रथम चरण में चयनित किया गया है।शुक्रवार को उप निदेशक पंचायती राज अभय कुमार ने बताया कि मंडल के पांचों जनपद के लिए 758 ग्राम पंचायतों को डिजिटल पुस्तकालय के लिए चयनित किया गया है।इसके लिए शासन ने 28,80,40,000 की धनराशि स्वीकृत कर दी है। इसमें प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए चार लाख रुपये प्रति यूनिट की धनराशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई है। यह धनराशि भारत सरकार से प्राप्त अनुदान के सापेक्ष निदेशक पंचायती राज, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत की गई क्रेडिट लिमिट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में बच्चों और किशोरों को अध्ययन, ई-लर्निंग और ज्ञानवर्धक सामग्री तक डिजिटल माध्यम से पहुंच उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में शिक्षा के प्रति रुचि और तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा।जनपदवार स्वीकृत ग्राम पंचायत और स्वीकृत धनराशि 1-अमरोहा को 103 ग्राम पंचायत के लिए 3 करोड़ 91 लाख 40 हजार की धनराशि मिली। 2-बिजनौर के 143 ग्राम पंचायत डिजिटल पुस्तकालय के लिए 5 करोड़ 43 लाख 40 हजार की धनराशि मिली। 3-मुरादाबाद में 132 ग्राम पंचायत में 5 करोड़ 16 लाख की धनराशि से डिजिटल पुस्तकालय बनाए जाएंगे। 4-संभल में 103 ग्राम पंचायत में न्यूज़ चल रहा है बरेली के लिए 03 करोड़ 91 लाख 40 हजार रुपए खर्च किया जाएगा। 5-रामपुर में 277 ग्राम पंचायत में 10 करोड़ 52 लाख 60 हजार की धनराशि खर्च की जाएगी।

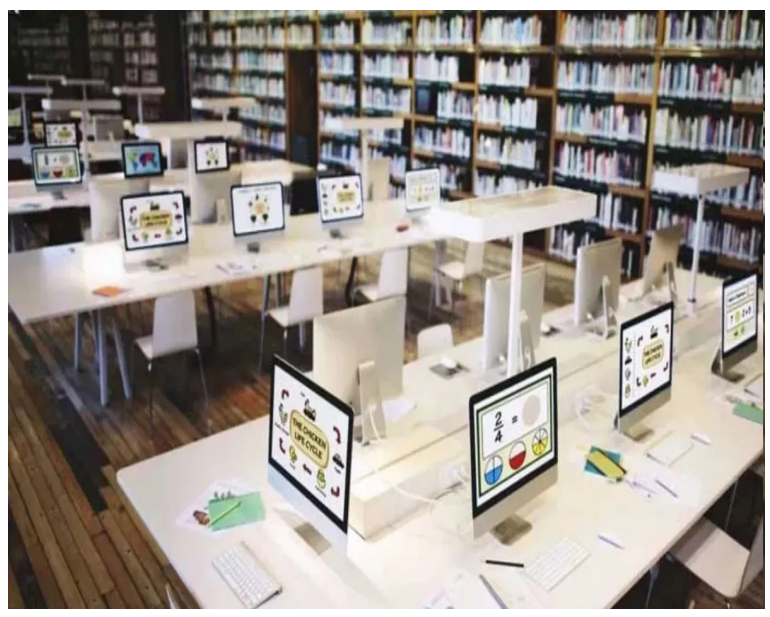

संक्षिप्त समाचार

चेक बाउंस मामले में अभिनेत्री अमीषा पटेल कोर्ट में तलब, मुरादाबाद में होगी नौ जनवरी को अगली सुनवाई

चेक बाउंस मामले में मुरादाबाद की अदालत ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को नौ जनवरी को पेश होने के आदेश दिए हैं। मामला कटघर निवासी पवन कुमार वर्मा ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2017 में अमीषा पटेल को शादी समारोह में डांस के लिए 11 लाख रुपये एडवांस दिए गए थे, लेकिन वह कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं। चेक बाउंस मामले में अदालत ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को तलब किया है। मुरादाबाद के अतिरिक्त न्यायालय (138 एनआई एक्ट) ने उन्हें नौ जनवरी को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं। कटघर के डबल फाटक निवासी एवं ड्रीम विजन इवेंट कंपनी के मालिक पवन कुमार वर्मा ने 19 दिसंबर 2017 को अदालत में अभिनेत्री अमीषा पटेल और अन्य के खिलाफ परिवाद दाखिल किया था।उन्होंने अभिनेत्री अमीषा पटेल और अहमद शरीफ, सुरेश परमार, राजकुमार गोस्वामी पर 11 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। कहा था कि 16 नवंबर 2017 को एक शादी समारोह में डांस के लिए अमीषा पटेल बुलाया था।दिल्ली रोड स्थित होलीडे रीजेंसी होटल में आयुष अग्रवाल की शादी समारोह में अमीषा पटेल को चार गानों पर डांस करना था। इसके लिए अमीषा को तय ग्यारह लाख रुपए एडवांस में दिए गए थे। आरोप है कि रकम लेने के बाद भी अमीषा पटेल शादी समारोह में नहीं आई थी। यह रकम पीआर कंपनी के मालिक राजकुमार गोस्वामी के माध्यम से अमीषा पटेल के पर्सनल असिस्टेंट सुरेश परमार और अहमद शरीफ को दी गई थी। पवन वर्मा ने बताया कि इस मामले अमीषा पटेल के खिलाफ वारंट जारी किया गया। उन्होंने दिसंबर 2024 को अमीषा पटेल ने पवन से समझौता कर लिया और 14 लाख रुपये वापस करने पर सहमति बन गई थी जिसमें पवन को छह लाख रुपये नकद और दो लाख रुपये का चेक दिया गया था बाकी रकम भी देने का वादा किया गया था। चेक 31 दिसंबर 2024 का दिया गया। पवन ने यह चेक बैंक में लगाया तो बाउंस हो गया। इसके बाद उन्होंने अमीषा पटेल और उनकी कंपनी के लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। इसके बाद पवन कोर्ट चले गए। इस मामले में अतिरिक्त न्यायालय (138 एनआई एक्ट) ने सुनवाई करते हुए अभिनेत्रीअमीषा पटेल को तलब किया है। इस मामले में अब नौ जनवरी 2026 को सुनवाई होगी।

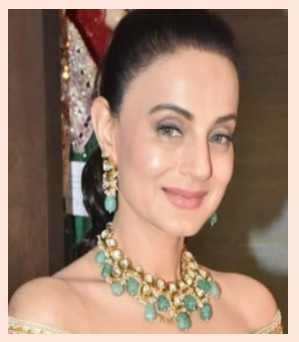

खस्ताहाल सड़कों की बदलेगी सूरत...विशेष मरम्मत को 1.78 करोड़ की स्वीकृति

जनपद में सड़क नेटवर्क के रखरखाव और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत छह प्रमुख मार्गों की मरम्मत का प्रस्ताव भेजा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इन कार्यों पर कुल 178.70 लाख रुपये (लगभग 1.78 करोड़ रुपये) की लागत से मरम्मत की जाएगी।शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता एस पी सिंह ने बताया कि संबंधित कार्यों के विस्तृत आगणन तैयार कर अधीक्षण अभियंता, मुरादाबाद वृत्त को तकनीकी स्वीकृति के लिए प्रेषित किए गए हैं। यह कार्य (अनुरक्षण एवं मरम्मत मद) के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी स्वीकृति मिलते ही कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। इन सड़कों की मरम्मत से ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात सुगम होगा और स्थानीय जनता को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।प्रस्तावित सड़कों का विवरण -दलपतपुर से समदी, समदा, मुड़िया मलूकपुर, चंदनपुर, ईशापुर मार्ग 2.640 कि.मी 31.08 लाख रुपये -जैतवाड़ा कांटा से हाथीपुर चित्तू सम्पर्क मार्ग 0.650 कि.मी. ,19.22 लाख रुपये -नगलाहाशा से लाइठेर संपर्क मार्ग 0.560 कि.मी. 27.40 लाख रुपये -नगला हाशा से इमरतपुर उधो संपर्क मार्ग 0.310 कि.मी 34.63 लाख रुपये - अक्का पांडे मार्ग से घोसी पुरा संपर्क मार्ग 0.300 कि.मी. 29.89 लाख रुपये -डी.ए. रोड (किमी 9) से करनपुर-सरकड़ा खास संपर्क मार्ग 0.370 कि.मी 36.47 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम ने बरेली के तहसील आंवला में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यों की विस्तृत समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के दिए निर्देश बरेली-। भारत निर्देशानुसार जनपद के मतदाता सूची के विशेष डुप्लीकेट प्रविष्टियों के प्रगति पर है। इसी क्रम अविनाश सिंह ने तहसील आंवला में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण और कार्यों की विस्तृत नाम जुड़ने, हटने, डुप्लीकेट प्रविष्टियों की की भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने व बीएलओ को मतदाता सूचियों की सभी त्रुटियों को तत्काल सुधारने, घर-घर सत्यापन को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील आंवला में वीआरसी सेंटर का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी विदुषी सिंह, तहसीलदार ब्रजेश सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, गोली लगने से घायल - एक नाबालिग भी पकड़ा गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुभाषनगर थाने की पुलिस टीम ने शनिवार की सुबह मुठभेड़ में चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि मुठभेड़ में पकड़े गए आरोपी अंशुल सक्सेना और कुलदीप यादव के पैर में गोली लगी है। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से दो तमंचे, दो कारतूस और चोरी का माल बरामद हुआ है। एक अन्य बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया है। एसपी सिटी के मुताबिक सुभाषनगर थाना क्षेत्र के ग्रीन वैली कॉलोनी निवासी भोजराज सिंह के घर 30 अक्तूबर को चोरी हुई थी। इस संबंध में पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। घटना के अनावरण के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्रीन वैली कॉलोनी में चोरी करने वाले आरोपी फतेहपुर से इटौवा जाने वाले रास्ते पर बने धीर सिंह के घर के पीछे बैठकर माल का बटंवारा कर रहे हैं, जिनके पास असलहे भी हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में अंशुल सक्सेना और कुलदीप यादव गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। मौके से एक अन्य बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया। आरोपियों से चोरी का माल बरामद हुआ है। आरोपी अंशुल सक्सेना के खिलाफ पांच और कुलदीप यादव के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं।

बरेली जंक्शन पहुंची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन किया गया भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लखनऊ से सहारनपुर तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शनिवार को पहली बार जब बरेली जंक्शन पहुंची, तो पूरा स्टेशन उत्साह और उमंग से भर उठा। जैसे ही ट्रेन प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंची, उस पर फूलों की वर्षा की गई और यात्रियों का तालियों की गड़गड़ाहट के बीच भव्य स्वागत हुआ। रेलवे अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने भारतीय रेल की इस अत्याधुनिक सुविधा का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्लेटफार्म को विशेष रूप से सजाया गया था। रंग-बिरंगी झालरों, गुब्बारों और पुष्पमालाओं से सजे स्वागत पंडाल में माहौल बिल्कुल उत्सव जैसा था। ट्रेन के आगमन पर यात्रियों के चेहरों पर गर्व और खुशी झलक रही थी। बरेली जंक्शन अब तीसरी बार वंदे भारत ट्रेन के ठहराव का गवाह बना है -इससे पहले लखनऊ-देहरादून और लखनऊ-मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव भी यहां होता है। नवप्रारंभ हुई यह वंदे भारत एक्सप्रेस लखनऊ से चलकर मुरादाबाद, नजीबाबाद, रुड़की होते हुए सहारनपुर तक जाएगी। इस नई सेवा से यात्रियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। सफर का समय भी अब पहले की तुलना में काफी कम हो जाएगा। शनिवार दोपहर 12-14 बजे जब ट्रेन बरेली जंक्शन पर पहुंची, तो स्वागत समारोह में प्रदेश के वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, मेयर डॉ. उमेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सभी ने ट्रेन का निरीक्षण किया और यात्रियों से बातचीत की। वन मंत्री डा. अरुण कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे तेजी से आधुनिक हो रहा है। वंदे भारत ट्रेनें सिर्फ यात्रा का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं। अतिथियों ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर मुरादाबाद के लिए रवाना किया। दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन जयघोष और तालियों की गूंज के बीच आगे बढ़ गई। इस मौके पर रेलवे अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, स्टेशन स्टाफ और नागरिकों में खासा उत्साह देखा गया। यात्रियों ने भी बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधा, रफ्तार और आरामदायक सीटें लंबी यात्रा को सुखद बनाती हैं। बरेली जंक्शन से अब यात्रियों के लिए लखनऊ, मेरठ, देहरादून और सहारनपुर जैसे शहरों के लिए सफर और भी तेज, सुविधाजनक और गर्व का विषय बन गया है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य (प्रशासन) व मंडलायुक्त ने बरेली मण्डल में परियोजनाओं की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / वर्षा ऋतु से पहले गड्ढा मुक्त रोड व स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र ठीक कराए जाने के दिए निर्देश बरेली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य(प्रशासन) विशाल चौहान भूपेंद्र एस. चौधरी बरेली मण्डल में राजमार्ग समीक्षा बैठक सभागार में संपन्न निर्माण कार्यों की एवं समयबद्धता समीक्षा की गई। राष्ट्रीय राजमार्ग सदस्य(प्रशासन) ने जिलाधिकारी बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर को निर्देशित किया कि मण्डल के अंतर्गत जिन मार्गों पर निर्माण कार्य लंबित हैं, उन्हें वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व हर हाल में पूरा करा लिया जाए, ताकि आवागमन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने विशेष रूप से जिलाधिकारी पीलीभीत को निर्देश देते हुए कहा कि बरेली-पीलीभीत मार्ग पर बड़ी संख्या में पेड़ अब भी अवशेष हैं, जिन्हें हटाए बिना निर्माण कार्य बाधित है। इस पर उन्होंने शीघ्र वृक्षों की कटान कर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य(प्रशासन) ने समस्त जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जहां सड़क निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहां संबंधित भूमि का म्यूटेशन कार्य अविलंब कराया जाए, जिससे सड़क विधिवत हस्तांतरित होकर सुचारू रूप से उपयोग में लाई जा सके। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें न लगने या खराब होने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं। इस पर उन्होंने स्ट्रीट लाइटों को तत्काल लगवाने और खराब लाइटों को शीघ्र ठीक कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को सप्ताह में एक बार प्रगति समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए, ताकि लंबित कार्यों की स्थिति स्पष्ट बनी रहे और समय पर सुधार कराया जा सके। कार्यों को पूर्ण करने की जो समयावधि निर्धारित है उसी तयशुदा समय में कार्यों को पूर्ण करवाया जाये। बैठक में जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह, जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी बदायूं अवनीश राय, जिलाधिकारी शाहजहांपुर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

10 नवंबर तक धर्म स्थलों से फिर हटेंगे अवैध लाउडस्पीकर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकरों व ध्वनि प्रसारित करने वाले यंत्रों के खिलाफ तीन दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। अभियान 8 नवंबर को शुरू होकर 10 नवंबर को समाप्त होगा। इन तीन दिनों में पुलिस सभी धार्मिक स्थलों पर दस्तक देगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मुख्यालय से पूरे प्रदेश में तीन दिन का अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके मद्देनजर जिले में तीन दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सभी अधिकारियों और थाना प्रभारियों को भी निर्देशित कर दिया गया है। पुलिस टीम अभियान के तहत सभी धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर समेत ध्वनि प्रसारित करने वाले यंत्रों की जांच करेगी। इस दौरान अगर निर्धारित मानक से अधिक ध्वनि में लाउडस्पीकर बजाए जाने की पुष्टि होगी तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। इतना ही नहीं अगर किसी धार्मिक स्थल और सार्वजनिक स्थानों से पूर्व में हटाए गए लाउडस्पीकर अगर दोबारा से लगाए गए होंगे तो इसे तत्काल प्रभाव से हटवाया जाएगा। लाउडस्पीकर की ध्वनि मानक के अनुसार तीव्रता कम करने समेत रात 10 बजे के बाद कोई भी लाउडस्पीकर बजने नहीं दिया जाएगा। पुलिस टीम पूरी तरह से अलर्ट है।

उत्तराखंड स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष समारोह 09 नवंबर को संजय गांधी कम्युनिटी हॉल बरेली में होगा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पर्वतीय समाज (रजिस्टर्ड) बरेली द्वारा उत्तराखंड स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष समारोह दिनांक 09 नवंबर 2025 को स्थानीय संजय गांधी कम्युनिटी हॉल बरेली में दोपहर 02 बजे से देर रात्रि तक धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह दियोलिया ने बताया कि इसमें स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के साथ ही उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोकगायक अजय-दीवान और यंग उत्तराखंड सिने अवार्ड विजेता प्रसिद्ध अभिनेत्री अंकिता परिहार भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगी। इनको क्रमश: नागरिक अभिनंदन सम्मान और उत्तराखंड गौरव सम्मान प्रदान किया जायेगा। सचिव डॉ.नरेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि वरिष्ठ रंगकर्मी, सिने अभिनेता एवं वरिष्ठ साहित्यकार अनिल घिल्डियाल को साहित्य कला भूषण सम्मान और उत्तराखंड के आंदोलनकारियों को सम्मान प्रदान किया जायेगा। मीडिया प्रभारी देवेन्द्र रावत ने बताया कि इस बार भव्य आयोजन की तैयारी के लिए पूरी टीम लगी हुई है। दर्शकों को पूरे वर्ष इस समारोह की प्रतीक्षा रहती है। सांस्कृतिक प्रभारी पूरन सिंह दानू और सोमा परिहार ने कहा कि स्थानीय कलाकारों की टीमें जोर शोर के साथ तैयारी में लगी हुई हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं तकनीकी निर्देशक अशोक उप्रेती ने कहा कि इस बार कार्यक्रम में एल ई डी स्क्रीन के साथ ही बेहतरीन प्रकाश संयोजन मिलेगा। फिल्म अभिनेत्री अंकिता परिहार की मुख्य फिल्में गढ़ कुमाऊं, संस्कार ,यो कुनो रिश्ता, द्वि होला जब साथ आदि फिल्में रिलीज हो गई हैं। लगभग एक दर्जन फिल्में फ्लोर पर हैं। फिल्म अभिनेता अनिल घिल्डियाल ने हॉटस्टार पर वेबसरीज लाइफ हिल गई, हंगामा गोल्ड में अतिथि सत्कारम, जियो सिनेमा में रफूचक्कर, यंग उत्तराखंड सिने अवार्ड 2015 में दस्तूर फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर ऑफ उत्तराखंड ,वो सात दिन दूरदर्शन के लिए, कुमाऊनी फिल्में राजुला,फौजी बाबू,गोपी किशन,दस्तूर हिंदी फिल्म लेडीज किलर में जैकलीन के साथ,मिशन टाइगर आदि करी हैं। दीवान सिंह कनवाल जी अल्मोड़ा खत्याड़ी व अजय ढौंडियाल देहरादून के निवासी हैं और साथ ही पत्रकार भी हैं आपके प्रसिद्ध गीतद्वि दीना का देर शेरूवा....., प्रथम कुमाऊनी फिल्म मेघा आ ,बलि वेदना ,आई गई बहार,जय हिंद के सारे गीत दीवान जी ने गाए हैं। एल्बमठाठ बाठ,सुआ ,पैलाग ,हुड़की घमा घम आदि। प्रसिद्ध गीत यो डना को पारा आदि हैं।

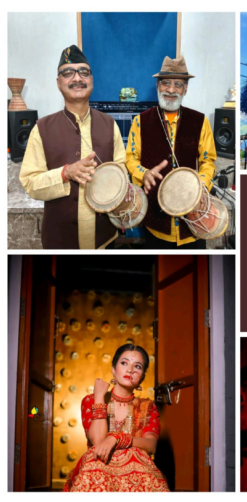

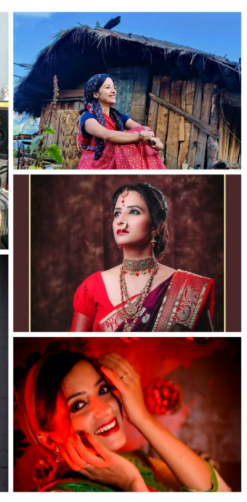

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

किताब उत्सव में स्कूली बच्चों ने देखी मनपसंद किताबें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विंडरमेयर में चल रहे किताब उत्सव में शनिवार को कई स्कूल के बच्चे भी पहुंचे। स्कूल के बच्चों ने वहां अपनी पसंद की किताबें देखी। उसमें कहानी, आर्ट, कविता समेत कई तरह की बच्चों के लिए किताबें है। इसमें दोस्ती खरगोश और सांप की, राक्षस मुझे मत खाओ, उड़ता गलीचा, चित्रकार राणा जी, बर्थडे, पंछी प्यार, जीत गई अनु, किट्टू और इला, दोबारा नानी दोबारा, पांच खंभों वाला गांव, बिट्टू की चिट्ठी, खजाने वाला टापू, चुनमुन का जन्मदिन, लकी और लीला, पांच दोस्त जैसी किताबें प्रमुख रही।

हर बूथ पर मजबूत कार्यकर्ता तैयार किए जाएंगे- शिव चरन कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर मासिक बैठक जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बी.एल.ए.की भूमिका को मतदाता सूची के सत्यापन नए मतदाता जोड़ने तथा कटे हुए वैध नामों की पुन: प्रविष्टि कराने पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी उद्देश्य प्रत्येक बूथ पर बी एल ए बनाना है समाज के उपेक्षित वर्गों को सम्मान व अधिकार दिलाने का आंदोलन है। बूथ मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी। विधायक शहजील इस्लाम ने कहा कि बी.एल.ए.को बूथ पर जनता से संवाद भी बढ़ाना होगा जिससे संगठन की विचारधारा घर घर तक पहुंचे पूर्व विधायक विजय पाल सिंह ने कहा कि हर विधानसभा में बी.एल.ए. बनाने के बाद प्रशिक्षित भी किया जाएगा। पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन ने बैठक में कहा कि बी.एल.ए. बनाने में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। जब महिलाएँ बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तभी समाज में न्याय और बराबरी का वास्तविक विस्तार होता है। समाजवादी पार्टी ही वह राजनीतिक विचारधारा है जो सम्मान अधिकार को व्यवहार में लागू करती है। अंत में नव नियुक्त प्रदेश महासचिव भारती चौहान ने कहा सभी ने स्वागत कर मेरा उत्साहवर्धन किया इसके लिए सभी का हृदय से आभार मासिक बैठक का संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव, मुस्ताक अहमद,राजकुमार पाल,मनोहर पटेल,सुरेंद्र सोनकर,सुरेश गंगवार,इंद्रपाल यादव,अनिल गंगवार,बलराम यादव,रमेश यादव,शकील अहमद,राजेश यादव,सीपी यादव,मनोहर गंगवार,खालिद राना,संजीव कश्यप,जितेंद्र मुंडे,राम सेवक प्रजापति,स्मिता यादव,सरताज ग़ज़ल अंसारी,संगीता पाल,सविता यादव,पल्लवी सक्सेना,राजेश्वरी यादव,कमलेश रत्नाकर,शब्बो नीलम गंगवार, जैनव फातिमा,शशि चंद्रा,ममता सागर,डॉ नीलम वर्मा,गुड़िया गंगवार,मैना, शबाना,राकेश गुप्ता,हरविंद्र पटेलडब्बू, राजपाल पालू,कुलदीप यादव,प्रशांत यादव,पीतांबर यादव,चरन सिंह यादव सुनील लोधी,शानू यादव,रविंद्र परातसपुर,काशीराम भारती,बाबा खान, आदि लोग मौजूद रहे। बैठक के अंत में पूर्व पार्षद अब्दुल जब्बार के निधन की दुखद सूचना प्राप्त हुई जिसमें सभी ने 2मिनट मोन रख कर श्रद्धांजलि दी।

आल इंडिया मजलिश ए इत्तेहादुल मुसलमीन ने दीं पदाधिकारियों जिम्मेदारियां

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर आल इंडिया मजलिश ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष मोहम्मद असलम एडवोकेट ने शनिवार को उपजा प्रेस क्लब में एक समीक्षा बैठक की। इस मोके पर उन्होंने कहा कि हम अभी समीक्षा बैठक करने बरेली आए है। जिसमे पंचायत पंचायत चुनाव में प्रत्याशी तय करेंगे। जिससे यह प्रत्याशी अपनी पैंठ सही बना सके और जीतकर अपना परचम फहराए। इस अवसर नए कार्यकर्ताओं को भी जोड़ा गया। इस अवसर पर जकी साईनी प्रदेश सचिव, लजिला बरेली तारीक अनवर प्रवक्ता मुरादाबाद , मोहम्मद असलम एडवोकेट, जिला अध्यक्ष, युसूफ अली, इमरान अध्यक्ष सहित कई लोगों को जिम्मेदारियां बांटी गई।

अभिनेता संजय दत्त और राजपाल यादव संग बांकेबिहारी को ध्वजा चढ़ाएंगे धीरेंद्र शास्त्री, रहेगा रूट डायवर्जन

भारत के लोगों में जातिवाद की जगह राष्ट्रवाद की अलख जगाने के लिए गांव-गांव और गली-गली संपर्क करते हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री दिल्ली से वृंदावन पहुंचेंगे। यहां अभिनेता संजय दत्त और राजपाल यादव सहित कई अन्य श्रीबांकेबिहारी लाल के मंदिर में उन्हें ध्वजा भेंट धीरेंद्र शास्त्री की सनातन जोड़ो पदयात्रा का दिल्ली यात्रा के प्रवेश करते ही कई संतों का यहां जमावड़ा नवंबर को धीरेंद्र शास्त्री अभिनेता संजय दत्त बांकेबिहारी लाल के दर्शन करेंगे। उनके साथ ब्रज के कई संत रहेंगे।वृंदावन के प्रमुख संत है कि सनातन की इस पदयात्रा से ऐसी अलख होगा। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के प्रयास सार्थक के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस बार उनका युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। ब्रज में यात्रा संजय दत्त और राजपाल यादव भी शामिल होंगे। की भी संभावना है, लेकिन अभी तक पूरी तरह ही आएंगे वृंदावन में अंदर- सनातन जोड़ो यात्रा

कलाकारों व संतों के साथ करेंगे।बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर से आगाज हो गया है। ब्रज में होगा। यात्रा के आखिरी दिन 16 और राजपाल यादव के साथ अयोध्या, दिल्ली, चित्रकूट समेत आचार्य मृदुलकांत शास्त्री ने बताया जगेगी, जिसे बुझाना मुश्किल होंगे। ब्रज के संत उनका साथ देने ब्रज में ऐसा स्वागत होगा, जो के दौरान संतों के अलावा अभिनेता इसके अलावा बाबा रामदेव के आने स्पष्ट नहीं है। केवल पांच सौ लोग में वृंदावन में केवल पांच सौ लोग ही अंदर आ पाएंगे। प्रशासन ने रविवार होने के कारण यात्रा में शामिल लोगों में से प्रमुख लोगों को ही छटीकरा से बांकेबिहारी मंदिर आने की अनुमति दी है। चूंकि रविवार होने के कारण वैसे ही बिहारीजी के मंदिर में भीड़ रहती है। ऐसे में यात्रा में शामिल लाखों लोगों की भीड़ से यातायात व्यवस्था के चरमराने की स्थिति पैदा हो जाएगी। ब्रज में आने पर होगा ट्रैफिक डायवर्जन यात्रा के ब्रज में आते ही हाईवे से लेकर वृंदावन में ट्रैफिक डायवर्जन कर दिया जाएगा। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तैयारियों में जुटा है। सुरक्षा के लिहाज से कई थानों के फोर्स को तैनात किया जाएगा। साथ ही यातायात का विशेष प्लान तैयार किया गया है।

अयोध्या में ध्वजारोहण: राम जन्मभूमि परिसर में तैयार होगा पीएम हाउस, होगी अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था

25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में पीएम मोदी राम नगरी में मौजूद रहेंगे। उनके लिए मंदिर परिसर में पीएम हाउस बनाया जा रहा है। प्रभु श्रीराम की नगरी में उत्सव का आलोक फैलने लगा है। राम जन्मभूमि परिसर इन दिनों भव्यता की नवंबर) से पहले पूरे परिसर को संवारने का काम मोदी के प्रवास के लिए परिसर में 'पीएम हाउस' का तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा।ट्रस्ट सूत्रों के अनुसार, विश्राम गृह होगा। इसमें सुरक्षा मानकों के अनुरूप और स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। की विशेष टीमें मौजूद रहेंगी। मंदिर परिसर की सफाई, अभियंता और श्रमिक जुटे हुए हैं। संगमरमर की फर्श के आसपास की सजावट पूरी की जा रही है। परकोटा सज्जित करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। है।20 क्विंटल से अधिक फूल मंगाए जा रहे हैं, जिनसे प्रतीक भी आकर्षण बढ़ाएंगे। पूरे मंदिर परिसर की को लेकर सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हैं। जिलाधिकारी एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे और राम मंदिर ट्रस्ट के

नई परिभाषा गढ़ रहा है। ध्वजारोहण समारोह (25 युद्धस्तर पर जारी है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है, जो 22 नवंबर यह अस्थायी लेकिन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्पेशल बुलेटप्रूफ जोन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, पीएम हाउस के आसपास एसपीजी और एनएसजी पॉलिश और सजावट में तीन हजार से अधिक कारीगर, पर पॉलिश, स्तंभों की कलात्मक सफाई और गर्भगृह परिसर के कोर्ट यार्ड को संगमरमर के पत्थरों से परिसर से मलबा हटाने का काम भी अंतिम चरण में पूरे परिसर सजाया जाएगा। इसके अलावा शुभता के विशेष लाइटिंग की जाएगी। पीएम व सीएम के कार्यक्रम निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, महासचिव चंपत राय, ने शनिवार को पूरे परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों पर चर्चा की। साढ़े तीन घंटे राम मंदिर में रहेंगी पीएम मोदी- राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह आयोजित होगा। 190 फीट ऊंचे राम मंदिर के शिखर पर पीएम नरेंद्र मोदी ध्वजारोहण करेंगे। पूरा कार्यक्रम तीन से साढ़े तीन घंटे का होगा। यह बातें शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय कहीं। वह यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रांतीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण की जिम्मेदारी भारतीय सेना को दी गई है। रोजाना ध्वजारोहण का ट्रायल हो रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से करीब छह हजार मेहमानों की सूची बनी है। इसमें व्यापारी, समाजसेवी, ग्राम प्रधान, जाति , विरादरी, उपजातियों के लोग रहेंगे।

दालमंडी में पैदा हुए थे शायर आगा हश्र, यहीं है उनकी कुंडली; चचेरे पौत्र ने सहेज रखी हैं उनकी यादें

दालमंडी के गोविंद कलां में शायर और नाटककार आगा हश्र पैदा हुए थे। उनकी तमाम वस्तुएं यहां सहेजकर रखी गई हैं। यहीं पर फारसी में लिखी उनकी जन्म कुंडली भी है। दालमंडी के चौड़ीकरण का काम करीब-करीब शुरू हो चुका है। ऐसे में वह याद आ रहे हैं जिनकी महक इस गली में घुली हुई है। इस गली की चौखट पर पहुंचते ही बहती हवा में गजल की कुछ पंक्तियां सुनाई देती हैं। ऐसा लगता है कि कोई पलंग पर लेटे बेबसी में गुनगुना रहा हो, याद में तेरी जहां को भूलता जाता हूं मैं, भूलने वाले कभी तुझको भी याद आता हूं मैं...। गजल की यह पंक्ति आगा हश्र कश्मीरी की है, जिन्हें उर्दू का शेक्सपीयर कहा जाता था। पैदा हुए थे।आज भले ही वे इस स्थित उनके पैतृक आवास की पहली पौत्र ने सहेज रखी हैं। एक मच्छरदानी आगा नेहाल अहमद शाह बताते हैं देखते ही ऐसा लगेगा कि है कोई टूटता देख बुदबुदा रहा हो, धुंधला सीने में फकत इक टीस सा पीता की चमचमाती उनकी आलमारी है। रिसाले (पत्रिकाएं), किताबें, कुछ रखी हैं। आगा नेहाल उनका भी दिखाते हैं जो 1917 का है। गवाहों के साथ आगा हश्र के भी हैं।1879 में गोविंद कलां में हुआ था जन्म- आगा हश्र का जन्म अप्रैल दालमंडी के गोविंद कलां में हुआ पिता आगा गनी शाह अपने मामा के

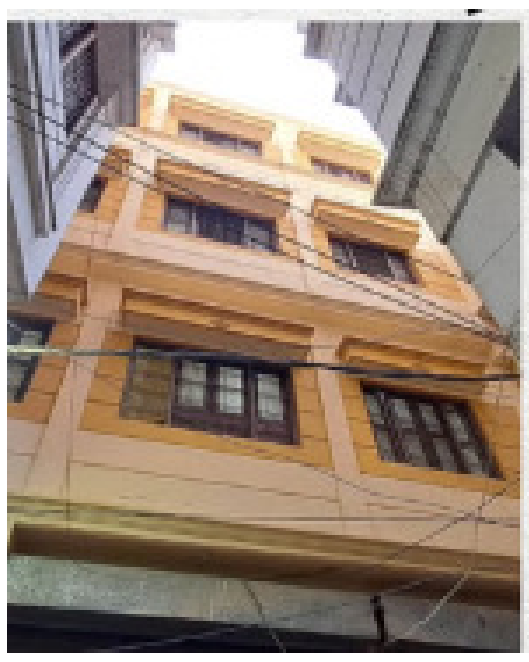

कश्मीर से बनारस आए थे। वे कश्मीर में शॉल का व्यापार करते थे। यहां भी अपने मामा के साथ उन्होंने वही व्यापार शुरू किया। बाद में उनके मामा ने अपनी बेटी से उनकी शादी कर दी। कश्मीरी मूल के होने के कारण वे अपने नाम के आगे कश्मीरी लगाने लगे। रामापुरा स्थित जयनारायण इंटर कॉलेज में पढ़ने के साथ-साथ शायरी और नाटक की ओर उनकी रुचि बढ़ गई। पढ़ने में उनका मन नहीं लगा तो मुंबई चले गए। नाटक लिखने में उनकी दिलचस्पी थी ही, उन्हें मौका भी मिल गया। वे एक नाटक कंपनी में काम करने लगे। जहां वे नाटक लिखते और उसका मंचन करवाते। दर्शकों ने उनके नाटकों को पसंद किया और उनकी ख्याति बढ़ने लगी। उनके नाटकों की लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि दर्शक उन्हें उर्दू का शेक्सपीयर कहने लगे।शेक्सपीयर के कुछ नाटकों का उर्दू में किया अनुवाद- आगा हश्र ने शेक्सपीयर के कुछ नाटकों का उर्दू में अनुवाद भी किया। शहीद-ए-नाज, सैद-ए-हवस, सफद-ए-खून, ख्वाब-ए-हस्ती, यहूदी की बेटी उनके महत्वपूर्ण नाटक हैं। उनका नाटक यहूदी की बेटी बहुत चर्चित हुआ। वर्ष 1958 में इस पर हिंदी में फिल्म भी बनी जिसमें दिलीप कुमार, मीना कुमारी और सोहराब मोदी ने अभिनय किया। उन्होंने रामायण और महाभारत की कथाओं पर आधारित नाटक भी लिखे। ये नाटक काफी सराहे गए। इन्होंने शेर और गजल भी खूब लिखे। कम उम्र में ही 1935 में उनका लाहौर में निधन हो गया। फारसी में लिखी जन्म कुंडली- साल 1879 में फारसी में लिखी गई नौ फीट सात इंच के कागज पर लिखी गई उनकी जन्मकुंडली सहेज कर रखी गई है। आगा कमाल बताते हैं कि यह कुंडली भारतीय ज्योतिषीय गणना के आधार पर मौलवी मोहम्मद जफ्फार ने बनाई थी। आगा कमल बताते हैं कि कुछ लोग उनके जन्म के समय को लेकर विवाद करते हैं लेकिन यह कुंडली उनके विवादों को विराम लगाती है। फारसी में लिखी इस कुंडली से स्पष्ट होता है कि उस समय बहुत से मौलवी संस्कृत सीखकर संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन करते थे और भारतीय ज्योतिष के आधार पर तमाम गणनाएं करते हुए कुंडलियां बनाते थे। कुछ खास बातें -एमए और बीए (उर्दू) में उनके नाटक आज भी पढ़ाए जाते हैं। आगा हश्र के दूसरे चचेरे पौत्र आगा कमाल बताते हैं कि इनके नाटक सिल्वर किंग और रुस्तम सोहराब को उर्दू के बीए और एमए के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

आगा हश्र इसी दालमंडी के गोविंद कलां में ही दुनिया से चले गए हों लेकिन गोविंद कला मंजिल के एक कमरे में उनकी यादें उनके चचेरे वाली पलंग की ओर इशारा करके उनके पौत्र कि इसी पर दादा जी सोया करते थे। पलंग को लाचार वृद्ध दर्द भरी आवाज में दालमंडी को सा तसव्वुर है कि दिल भी था यहां, अब तो हूं...। पलंग के पास शानदार नक्काशीदार लकड़ी इसमें पुराने पांडुलिपियां निकाहनामा इसमें तमाम द स्त ख त आगा हश्र का 1879 को था। उनके बुलाने पर

संक्षिप्त समाचार

चार शस्त्र अनुज्ञप्तियां निलंबित, कलेक्टर ने की सख्त कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार चौधरी ने पुलिस अधीक्षक शिवपुरी की अनुशंसा पर चार अनुज्ञप्तिधारियों की शस्त्र अनुज्ञप्तियां (लाइसेंस) तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी हैं। यह कार्रवाई आयुध अधिनियम 1959 के प्रावधानों के तहत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन शस्त्र अनुज्ञप्तियों को निलंबित किया गया है, उनमें -थाना गोवर्धन के ग्राम मानिकपुर निवासी मुलायम यादव के नाम से स्वीकृत शस्त्र लाइसेंस क्रमांक 79/2021/111/डीएम/एसआईपी, ग्राम मानिकपुर निवासी रामहेत यादव के नाम से स्वीकृत लाइसेंस 08/1983/111/एसडीएम पोहरी, थाना अमोला के ग्राम सिरसौद टोकनपुरा निवासी मलखान सिंह परिहार के नाम से स्वीकृत लाइसेंस 05/2016/111/डीएम/एसआईपी, तथा थाना भौंती के ग्राम मुहार, हाल कामख्या मंदिर के सामने करैरा निवासी आनंद कुमार शर्मा के नाम से स्वीकृत लाइसेंस 10/2021/111/डीएम/एसआईपी शामिल हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन चारों शस्त्र अनुज्ञप्तियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रशासन ने यह कदम कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उठाया है, ताकि जिले में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके

चयन वेतनमान ऑनलाइन स्वीकृत किये जाने को बेसिक शिक्षा अधिकारी से मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत में परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों ने चयन वेतनमान ऑनलाइन स्वीकृति की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बीएसए को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। 72825 शिक्षक भर्ती में पांच सौ शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से कई का कार्यकाल नवंबर 2025 में पूरा होगा। बेसिक शिक्षा विभाग, जनपद पीलीभीत में 72825 शिक्षक भर्ती से लगभग 500 शिक्षक कार्यरत हैं। जिनमें से लगभग 400 शिक्षकों का 10 वर्षों का कार्यकाल दिनांक 5 नवंबर 2025 को पूर्ण हो गया है एवं अवशेष शिक्षकों का दिसंबर माह तक पूर्ण हो जाएगा। कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पत्रांक संख्या 8535-40/2025-26 दिनांक 28-10-2025 के द्वारा अवगत कराया गया है। कि चयन वेतनमान की संपूर्ण प्रक्रिया अब ऑनलाइन संपादित की जाएगी। नवंबर माह में 10 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके 72825 शिक्षक भर्ती में कार्यरत समस्त शिक्षकों का चयन वेतनमान ससमय ऑनलाइन स्वीकृत कराने हेतु सम्बंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया जाये। जिससे सम्बंधित शिक्षकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक पीलीभीत महोदय द्वारा थाना अमरिया पर किया गया थाना समाधान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / जिलाधिकारी पीलीभीत श्री ज्ञानेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक यादव द्वारा थाना अमरिया पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनता की समस्याओं को सुना गया। महोदय द्वारा

शिकायतों/प्रार्थना पत्रों की समीक्षा कर उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया तथा राजस्व संबंधी शिकायतों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निष्पक्ष व न्यायोचित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

बाराबंकी रहा प्रदेश में सबसे ठंडा जिला, 11 डिग्री तक खिसका न्यूनतम तापमान; कोहरे-सर्दी को लेकर अलर्ट जारी

यूपी में ठंड का असर बढ़ रहा है। शनिवार को भी पछुआ हवाओं की वजह से ठंड का एहसास हुआ। आने वाले दिनों में सर्दी बढ़ने वाली है। एक दिन पहले अचानक तापमान में आई भारी गिरावट का असर शनिवार को भी रहा। दिन में गुनगुनी धूप ने राहत दी तो शाम होते होते सिहरन बढ़ने लगी और रात में ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, अभी एक सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। किसी खास परिवर्तन के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। एक सप्ताह तक सुबह हल्की धुंध या कोहरा रहेगा तो वहीं दिन में धूप और रातें ठंडी रहेंगी।नवंबर के पहले सप्ताह से ही ठंड ने दस्तक दे दी है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में सुबह हल्की धुंध और कोहरा दिखने लगा है। शनिवार को सबसे ठंडा बाराबंकी रहा जहां न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार की तरह ही कानपुर भी ठंडा रहा जहां न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री दर्ज किया गया। आगरा में 11.5 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि छह से सात दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट के बाद अब अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। आने वाले दिनों में तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक सुबह हल्का कोहरा और धुंध के आसार बने रहेंगे। साथ ही पछुवा हवाएं भी शाम से रात तक सिहरन बढ़ाएंगी।

आल इंडिया पत्रकार एकता संघ की विचार गोष्ठी 9 नवंबर को उरई में

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / आज के समय में मीडिया की भूमिका समाज हित में उचित या अनुचित विषय पर गोष्ठी आयोजित कोंच(जालौन) आल इंडिया पत्रकार एकता संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और जिले के वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश उदैनिया ने एक जानकारी में बताया है कि दिनांक 9 नवंबर दिन रविवार को समय ग्यारह बजे दिन में स्थान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज झांसी रोड उरई के छात्रावास सभागार में आज के समय में मीडिया की भूमिका समाज हित में उचित या अनुचित विषय पर एक महत्वपूर्ण विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कई अतिथि मौजूद रहेंगे साथ ही इस विचार गोष्ठी को सफल बनाने में जिलाध्यक्ष अमित पुरवार जिला उपाध्यक्ष आशीष समेले जिला महामंत्री सुशील कुमार श्रीवास्तव जिला मीडिया प्रभारी राजीव पोरवाल सहित तमाम पत्रकार एकता संघ से जुड़े पत्रकार लगे हुये है उन्होंने सभी पत्रकारों से अपील की है कि वह इस कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित है और इस में आप सभी पत्रकारों का विशेष सम्मान भी है कृपया इस कार्यक्रम में समय से आने की कृपा करे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दे

ग्राम खेरी वासियों ने एसडीएम को पत्र देकर समस्या बताई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज शुक्रवार को ग्राम खेरी वासियों ने एसडीएम ज्योति सिंह से शिकायत पत्र देते हुये अगवत कराया है कि मेरे गांव में सरकारी कोटा नहीं है जिस को लेकर जल्द से जल्द चयनित हुए व्यक्ति के नाम राशन की दुकान आवंटित करने की जावे गांव वासियों ने अवगत कराया है कि बीते माह अधिकारियों और ग्राम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से नित्य प्रकाश का नाम उचित दर राशन विक्रेता के लिए आवंटित हो गया था लेकिन उसके बावजूद भी नाम चयनित होने के बाद भी राशन की दुकान उनके नाम आवंटित नहीं की गई, जिसके चलते हम सभी ग्रामीणों को खाद्यान्न के लिए परेशान होना पड़ रहा है और दूसरे गांव जो कि काफी दूर है वहां पर खाद्यान्न लेने जाना पड़ता है जहां वहां के कोटेदार खाद्यान्न देने में घटतौली करता है गांव वासि यों ने एसडीएम से समस्या के निराकरण की गुहार लगाई है

संयुक्त विकास आयुक्त झांसी ने कोंच विकास खंड कार्यालय का ओचक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) झांसी मंडल के संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद्र केसरवानी ने आज कोंच विकास खंड कार्यालय का ओचक निरीक्षण किया संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद केशवानी ने कार्यालय के विकास से संबंधित अभिलेख देखे जो ठीक दिखे साथ ही उन्होंने डाक रजिस्टर को देखा जो सही मिला साथ ही कुछ अभिलेखों में थोड़ी कमी दिखी उन्हें ठीक किए जाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि सरकार की योजना ओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाए जो कमी मिली है उन्हें जल्द पूरा कराए इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार सहित तमाम खंड विकास कार्यालय से जुड़े अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे

जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित मिले कई चिकित्सक एक दिन का वेतन कटौती के साथ - दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार सुबह 8ः30 बजे जिला चिकित्सालय पुरुष का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, क्षय रोग अनुभाग, रेडियोलॉजी, ऑर्थो वार्ड, महिला मेडिकल वार्ड, आयुष्मान वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र तथा पैथोलॉजी का स्थलीय जायजा लेकर व्यवस्थाओं की गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने पाया कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक आर्या, परामर्शदात्री डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. स्वाति श्रीवास्तव, डॉ. गोपाल कृष्ण सोनी, चेस्ट फिजिशियन डॉ. शिवेश वर्मा, जनरल सर्जन डॉ. के.पी. सिंह एवं डॉ. आदिल अंसारी ओपीडी में अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि सभी अनुपस्थित चिकित्सकों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।आयुष विंग के दो कक्ष बंद मिले। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे स्थानों पर स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाया जाए, जिससे मरीजों को चिकित्सक तक पहुंचने में असुविधा न हो। वहीं, रोग नियंत्रण केंद्र के कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म में नहीं पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि सभी कर्मचारी व चिकित्सक निर्धारित यूनिफॉर्म में ही कार्य करें। उन्होंने निर्देशित किया कि डिजिटल एक्स-रे कक्ष के बाहर टेक्नीशियन का नाम एवं एक्स-रे किए जाने वाले दिवस स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएं। महिला मेडिकल वार्ड में सभी बेड खाली मिले, जबकि स्टाफ नर्स ने बताया कि चार मरीज भर्ती थे परंतु रात में घर चले गए। इस पर जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि भर्ती मरीजों का रात में अस्पताल छोड़कर जाना नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि इस संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त कर जिम्मेदारी तय की जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र में पांच बच्चे भर्ती मिले। जिलाधिकारी ने बच्चों की खानपान व्यवस्था एवं देखभाल की सराहना करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरे तत्काल लगाए जाएं, ताकि सभी गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। पैथोलॉजी विभाग में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मरीजों को जांच रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों व उनके तीमारदारों से संवाद कर उनका हालचाल जाना और यह भी जानकारी ली कि क्या उपचार या ऑपरेशन के लिए किसी प्रकार की अतिरिक्त धनराशि मांगी जा रही है। सभी मरीजों एवं उनके परिजनों ने बताया कि चिकित्सालय परिसर में ही सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आनंद उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

थाना कोतवाली जालौन में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस आयोजित - जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनता की समस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनता की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के उद्देश्य से थाना कोतवाली जालौन में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने उपस्थित फरियादियों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कई प्रकरणों का निस्तारण तुरंत मौके पर ही कराया, जबकि शेष शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में समाधान के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर थाने और तहसील स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को जिला मुख्यालय या अन्य कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस शासन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य है जनता की समस्याओं को शीघ्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से निस्तारण करना। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने थाना प्रभारी और सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक प्राप्त शिकायत का विधिवत पंजीकरण कर निर्धारित समयावधि में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर फरियादी को सम्मानपूर्वक सुनवाई मिलनी चाहिए, ताकि पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं पारदर्शिता बनी रहे। थाना दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजस्व एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की तीन दिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन अयोध्या धाम में सफलता के साथ हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के तत्वाधान में आयोजित प्रादेशिक सम्मेलन तीन दिवसीय अयोध्या धाम के जानकी महल में सफलता के साथ संपन्न हुआ इस सम्मेलन में पूरे प्रदेश से श्रमजीवी संगठन के भारी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित हुए जिस में पत्रकारों के हित के बारे में विशेष चर्चा की गई और श्रमजीवी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी द्वारा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री मयंकेश्वर सिंह को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें पत्रकारों के हित के बारे में कई बिंदुओं पर मांग की गई मंत्री मयंकेश्वर सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि मैं आपके द्वारा मांगे गए पत्रकार के हित में इन बिंदुओं पर मैं अपनी सरकार से चर्चा करूंगा और आपकी मांगों को उनके समक्ष पेश करूंगा और आपके द्वारा मांगे गए सभी बिंदुओं पर जल्द से जल्द पालन होगा वही इस सम्मेलन की समाप्ति पर सभी पत्रकारों को श्री राम जन्मभूमि मंदिर का वी आई पी दर्शन कराया गया और इस कार्यक्रम में आए हुए सभी महिला एवं पुरुष पत्रकारों को यूनियन के तरफ से शाल और राम दरबार की तस्वीर विदाई स्वरूप भेंट की गई ।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर एसएसबी जवानों ने गूंजाया राष्ट्रगान का स्वर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा की अगुवाई में वाहिनी मुख्यालय भिनगा सहित समस्त सीमा चौकियों पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ बड़े ही उत्साह एवं देशभक्ति के माहौल में मनाई गई। इस अवसर पर एसएसबी के अधिकारियों एवं जवानों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम स्थल राष्ट्रभक्ति के भावों से ओतप्रोत हो उठा और वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इस अवसर पर कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारी मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत वीरों को प्रेरित किया और आज भी हमें राष्ट्रहित में एकजुट रहने का संदेश देता है। कार्यक्रम में गोबर्धन पुजारी उप कमांडेंट के साथ वाहिनी के अन्य अधिकारी, जवान, स्कूल के छात्र तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे ।

केपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची जबलपुर टीम, रविवार को होगा शिवपुरी का सबसे बड़ा फाइनल मुकाबला

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी,ब्यूरो। करारखेड़ा प्रीमियर लीग (चक्क) क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांच अपने चरम पर है। शनिवार को शिवपुरी के ऐतिहासिक पोलो ग्राउंड में खेले गए क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में दर्शकों ने दिनभर शानदार क्रिकेट का आनंद लिया। जबलपुर की मिक्स इलेवन टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आर.पी.एस. रिसोर्ट इलेवन ने प्राणपुरा इलेवन डबरा को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं पहले सेमीफाइनल में मिक्स इलेवन जबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आर.पी.एस. रिसोर्ट इलेवन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मौके पर पहले मैच में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा उपस्थित रहीं। उनके साथ भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजू बाथम, शिवपुरी क्रिकेट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष संजय सांखला, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद भार्गव, अनुपम शुक्ला, सुनील शर्मा, राज कटारे और रीतेश गुप्ता सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उत्साहवर्धन किया। पहले सेमीफाइनल मुकाबले में कोलारस विधायक महेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भटनावर सरपंच संजय अवस्थी, वरिष्ठ क्रिकेटर छोटे खान और शिवपुरी के पत्रकार साथी भी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल 360 स्पोर्ट्स पर किया जा रहा है, जिससे दूर-दराज के दर्शक भी लाइव मैचों का आनंद ले रहे हैं। इस भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता टीम को ?5 लाख, उपविजेता टीम को ?2.5 लाख और मैन ऑफ द सीरीज को ?41,000 नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी आकर्षक इनाम प्रदान किए जाएंगे। टूर्नामेंट आईपीएल की तर्ज पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन मनु प्रताप सिंह चौहान और रवि प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें राज्य आनंद संस्थान (जिला शिवपुरी) सह-प्रायोजक के रूप में सहयोग कर रहा है। कमेटी सदस्यों शिवा धाकड़, मानवेन्द्र यादव, शिवा परमार, अवध प्रताप सिंह चौहान, राघवेन्द्र चौहान, शिवा बुंदेला, साविर खान और चाली राजा ने व्यवस्थाओं में सराहनीय योगदान दिया। रविवार को होने वाला केपीएल फाइनल मुकाबला शिवपुरीवासियों के लिए रोमांच और जोश से भरा क्रिकेट उत्सव साबित होगा।

ग्रुप से निकालने पर एडमिन को दौड़ा कर पीटा, गालियां भी दी, सदस्य और उसके पिता पर केस

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के कटाई गांव में व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकाले जाने पर युवक ने अपने पिता के साथ मिलकर ग्रुप एडमिन की पिटाई कर दी। रिपोर्ट दर्ज कराई है।डोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकलने पर युवक ने अपने पिता के साथ मिलकर एडमिन को दौड़ा कर पीटा। जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह जान बचाकर कोतवाली पहुंचे एडमिन ने ग्रुप के सदस्य और उसके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।डिडौली कोतवाली क्षेत्र के कटाई गांव में यामीन अली का परिवार रहता है। उनके बेटे शाबुद्दीन में अपने मोबाइल पर ग्राम कटाई 786 नाम से व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है। जिसमें गंगदासपुर गांव का रहने वाला अर्श भी सदस्य के रूप में शामिल था।आरोप है कि अर्श ने ग्रुप में गाली गलौज की। इसके बाद शाबुद्दीन ने उसे व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकाल दिया। इसके बाद अर्श ने व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन शाबुद्दीन के पर्सनल व्हाट्सएप पर गालियां दीं। शनिवार की सुबह सात बजे ग्रुप एडमिन शाबुद्दीन ने अर्श की शिकायत उसके गांव में जाकर की तो अर्श ने अपने पिता राहिल के साथ मिलकर मारपीट की। साथ ही पिता-पुत्र ने ग्रुप एडमिन शाबुद्दीन को दौड़ा कर पीटा। घटना में शाबुद्दीन सिर में चोट लगने से घायल हो गए। किसी तरह वहां से जान बचाकर शाबुद्दीन डिडौली कोतवाली पहुंचे और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि मामले में अर्श और उसके पिता राहिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

Art Therapy Can Be Very Helpful in Reducing Stress, Bringing Peace to a Restless Mind

Did you know that art can also help calm your mind and express your emotions? Yes, it's called Art Therapy, and it's very helpful in relieving stress and anxiety. In today's life, where stress has become our constant companion, art therapy can prove to be very effective. Art therapy is very helpful in reducing stress; it relaxes the mind – art helps in expressing emotions. In this fast-paced life, stress has become a part of almost everyone's life. Some people resort to meditation or yoga to manage it, while others find solace in their creativity. Bollywood actress Sonakshi Sinha is one of them, for whom painting is not just a hobby, but a kind of therapy (Art Therapy). Yes, in an interview, Sonakshi said that whenever she felt sad, she would start painting. Painting completely calmed her mind (Art Therapy Benefits). She felt as if she had entered another world. However, she also said that after meeting her husband, she stopped painting, but her husband Zaheer Iqbal keeps reminding her that she should pick up the brush again because that is her real therapy. What is Art Therapy? - Art therapy is a therapeutic process in which art is used to express and understand emotions. It is not just for artists. Here, the focus is not on the perfection of the art, but on the process of creating it. That is, whether you play with colors or write something. The aim is to lighten the burden on the mind. How does art therapy help reduce stress? According to a report published in the National Library of Medicine, art therapy helps reduce stress by creating a balance between the body and mind. Unlike traditional "talk therapy," this approach emphasizes the expression of emotions rather than focusing on words. When a person creates art, their attention shifts from their worries to the artwork itself, leading to mental peace. Through art, individuals bring out their inner emotions, which are often difficult to express in words. Through colors, melodies, or stories, they delve into the depths of their minds, and this process gradually reduces stress. It increases self-awareness, strengthens self-confidence, and improves mental balance. A calming process for the mind – several studies have found that art therapy not only improves mood but also helps with sleep, concentration, and emotional balance. When a person engages with their creativity, "feel-good" hormones like dopamine are released in their brain, which reduce stress and sadness.

Trendy Eyebrow Shapes for Enhancing Facial Beauty: Bold and Elegant Looks are Gaining Popularity

In 2025, bold eyebrow styles have become a major beauty trend among women. While previously natural and light eyebrows were preferred, now shapes like high-arched, feathered, brushed-up, and ombre eyebrows are dominating. These shapes give the face a defined look and also boost confidence. By choosing the right shape, you can balance your face cut. Eyebrows can change the look of the face; nowadays, feathered and thick eyebrows are in trend, making your look bold and classy. Eyebrows play a crucial role in enhancing facial beauty. Along with fashion trends, eyebrow shapes also change rapidly, and in 2025, bold, defined, and voluminous eyebrows are all the rage. Today's generation prefers to adopt these new trending brow shapes to make their look expressive and confident. Let's learn about some of the top bold eyebrow shapes trending in 2025 that will give you a glamorous and stylish look. Different Eyebrow Shapes: Feathered Eyebrows - This shape maintains natural thickness while gently brushing the brow hairs to give a feathery texture. The look is clean and voluminous. This shape is perfect for giving the face a soft yet bold appearance. High-Arched Eyebrows - If you want to make your face look sharp and elegant, then high-arched eyebrows are the best option. In this, the arch of the brow is more prominent, which helps in making the eyes look lifted and the face look slimmer. Straight Brow Trend - The straight brow trend, popular in Korean style, continues in 2025. It is straight without any prominent arch and helps in giving a young, fresh, and innocent look. This style particularly suits long and oval faces. Brushed-up eyebrows - In this trendy look, the brow hairs are brushed upwards and then set with gel or wax. This shape gives the face an effortless and fearless look and is quite popular among younger women. Ombre eyebrows - In the ombre shape, the brows start with a lighter shade and gradually become darker towards the end. This shape gives a full brow look with a professional and polished appearance. It can also be created using powder or tattooing techniques. Boxy eyebrows - In this shape, the brows start square and slightly thicker, giving a bold, framed look. This look is best for those who want to make their brows the focal point of their face. If you want to change your look, be sure to try these trending eyebrow shapes. The right shape and grooming will not only enhance your beauty but also boost your self-confidence.

Poison in the Air of Delhi-NCR! Doctor Explains Which Mask is Better and the Correct Way to Wear It

The severely deteriorating air quality (AQI 300-400+) in Delhi-NCR has become a health hazard, affecting the entire body, including the lungs, heart, and brain. Health experts are advising the use of masks to protect against this. However, choosing the right mask is crucial to protect against pollution. Let's find out which masks are best to use for breathing in Delhi-NCR. Air pollution has become dangerous in Delhi-NCR, so use masks for protection - Choose the right mask to protect against pollution. The air quality in Delhi-NCR is rapidly deteriorating. In many areas, the AQI has crossed 300-400, which is proving to be serious for health. Along with the worsening air quality, health problems are also increasing rapidly. The toxic air is not only harming the lungs but also the heart, brain, and the entire body. Given the deteriorating situation, health experts are advising people to leave Delhi for a few weeks. They are also advising the use of masks to prevent harmful particles in the air from entering the body. Many people are using masks to protect themselves from the toxic air, but it is also very important to know which mask is right to use in such an environment. Therefore, to find out about this, we spoke to Dr. Pankaj Chhabra, Clinical Director of Pulmonology at Marengo Asia Hospitals, Faridabad, and learned which mask is better for protection against pollution - Cloth or Surgical Masks - Many people are using cloth masks, surgical masks, or fashion masks to protect themselves from pollution. However, according to the doctor, such masks should be avoided to protect against high levels of pollution. These masks do not properly filter fine particles and toxic gases. Also, their fitting is not correct. These masks can block dust, but they allow harmful pollutants like PM2.5 to pass through, giving a false sense of security without actually providing protection. N95 and N99 Masks - N95 and N99 masks will prove most effective in protecting against the suffocating air of Delhi-NCR. These masks can filter 95-99% of fine particles (PM2.5 and PM10) and harmful pollutants. These masks also fit snugly over the nose and mouth, preventing toxic air from entering the respiratory system and significantly reducing the risk of health problems. When should you change your mask? - N95 or N99 masks can generally be used for 3-5 days depending on the level of pollution and duration of exposure. If the mask becomes dirty, damp, or breathing becomes difficult, it should be replaced immediately. Reusable masks with filters require regular filter replacement for continuous protection.

Sima Taparia did not find a groom for the actress because she was 'Muslim,' claims the actress; the matchmaker retaliates against the allegations

TV actress Nausheen Ali Sardar, who appeared in serials like 'Kusum' and 'Vasudha,' had claimed in an old interview that matchmaker Sima Taparia refused to find a match for her because she was Muslim. Now, Sima Taparia has broken her silence on the matter. The TV actress had accused Sima Taparia - The actress claimed that matchmaker refused to find a match for her because she was Muslim - Sima Taparia reacts to the actress's claims about her being Muslim. Sima Taparia has become a big name in the world of matchmaking in the last few years. She gained popularity from the Netflix show 'Indian Matchmaking'. After that, she became a part of several shows like Bigg Boss and Bollywood Wives. However, in 2019, TV actress Nausheen Ali Sardar, who appeared in popular shows like Crime Patrol and Savdhaan India, accused her of not finding a match for her because she was Muslim. Now, matchmaker Sima Taparia has broken her silence on all these allegations and revealed the whole truth. What did Sima Taparia say about Nausheen Ali Sardar's 'Muslim' statement? Responding to Nausheen Ali Sardar's allegations, Sima Taparia said in an interview given to the screen, "Matchmaking is a matter of destiny, and I am not God. Five years ago, when this show came out, they asked me to do matchmaking for them. I simply told them that I don't do it for any particular caste. Five years have passed since then, and now someone has gone and published this. I've only gained publicity from it. I just said that innocently." Responding to the online trolling she's receiving after the actress's statement, Sima said, "I am enjoying every moment of this fame, and it hasn't gone to my head. I've met many stars and appeared on many shows, so I've had a lot of fun. Today's young generation is a big fan of mine. I even enjoy the trolling. Whether negative or positive, all kinds of publicity are good. So what should I be afraid of? Not everyone will write good things about me." What was Nausheen Ali Sardar's accusation? In an interview given to Siddharth Kannan in 2019, TV actress Nausheen Ali Sardar accused Sima Taparia, saying, "My sister approached her for matchmaking because her show was a huge hit. However, when I told her that I am open to marrying someone from any caste, from Catholic to Sikh, Punjabi, Sima told me that we can't find a boy for you because you are Muslim. I laughed a lot after hearing this because it was so absurd."

Illicit affairs with several heroines... Cheating for 20 years, a married superstar's misdeeds exposed!

There are many star couples in Bollywood whose relationships end because of a third person, and there have been many instances when a wall called "that" has stood between husband and wife. However, there are many big stars who have had affairs outside, but somehow managed to save their marriages and kept the matter from being reported in the media. One such actor is an actor who had affairs with actresses and cheated on them, though the superstar's actress wife remained silent. This superstar had affairs with several young heroines. His wife knew the truth about her husband's misdeeds - the truth came out when the wife had a detective investigate. We often hear stories of relationships rising and falling in Bollywood. There are many star couples whose relationships end because of a third person, and there have been many instances when a wall called "that" has stood between husband and wife. Although there are many big stars who have had affairs outside the industry, they somehow managed to save their marriages and keep them out of the media. Now, a revelation has surfaced that a superstar actor had an extramarital affair. The actor was dating an actress than him. Private detective Tanya Puri recently revealed this. In an 20 years younger interview with Siddharth Kannan, Tanya explained that a successful superstar actor had been in relationships with multiple women. When the actor's wife became suspicious of her husband, she contacted the detective, and his affairs were exposed. Tanya explained, "I believe there are many cases of extramarital affairs in Bollywood, but people don't talk about them. They want to maintain a clean image. I'm talking about a couple who are not very old and who married in the early 2000s." In their relationship, the husband openly cheats and has affairs with several young actresses. He has acted in two or three films, in which several instances of his extramarital affairs with other actresses have surfaced. Tanya explained that the actor's wife was also aware of her husband's actions. She ignored them for years, but when the matter reached the children, they took action. "His wife knows about this, and so do his children. Their two older children are in the industry. The children are well aware of their father's activities, but in front of the camera, they are a perfect couple. The wife is highly educated, the husband is a local man, and they treat each other very well in front of the camera, but behind the scenes, the actor has had affairs with several women." Tanya explained that after nearly 20 years, the actress sought the help of a detective, and only then did the truth come to light. The husband himself confessed everything to his wife. Tanya told that the actress was ignoring her husband's cheating. She felt that perhaps emotional cheating is worse than physical cheating. That's why the actress ignored all this, but when this truth came out in front of the children, things got worse and finally the truth came out. Although Tanya did not take the name of that actor and his wife anywhere nor did she reveal the name, but social media users are continuously making fun of it and saying that they know who that star couple is and who that actor is who dated and had relationships with countless girls.

Oh my God! These two contestants received even fewer votes than Neelam, will there be a dangerous double elimination?

Before the finale of Salman Khan's controversial show, it seems the entire game is about to change, as there has been a lot of upheaval in the voting list this week. After the nomination task in Bigg Boss 19 this week, 5 contestants are in danger. The audience has already decided which two contestants might be eliminated from the show this time. There will be a double elimination in Bigg Boss 19 this week; these two contestants received the fewest votes - these two contestants lagged behind Neelam in the voting. As Bigg Boss 19 progresses towards the finale, the game is becoming even more interesting. The nomination task was played in the house yesterday, where contestants were chosen for elimination in a very unique way. With the consent of two people from Ashnoor, Farhana, and Malti, Abhishek Bajaj was eliminated, while Amal and Mridul together nominated Farhana Bhatt. The 5 contestants who were nominated in the nomination task include Neelam Giri, Gaurav Khanna, Abhishek Bajaj, Ashnoor Kaur, and Farhana. Voting has also opened immediately after the nomination task. Currently, the names of the two contestants who have received the fewest votes and have the highest chances of being eliminated will shock you. These two contestants currently have the fewest votes - After the eviction of Baseer Ali, Nehal, and Pranit More from the house, there are now a total of 11 contestants remaining. These include 6 girls and 5 boys. According to reports, there are high chances of a double eviction in the house this week, and currently, the one who is at the bottom of the voting list is not Neelam Giri, but Ashnoor Kaur. According to the Bigg Boss 19 voting trends, Gaurav Khanna has received the most votes among the nominated contestants this week, with approximately 26.9% of the votes. Following him is Farhana Bhatt, whose game is also impressing the audience, receiving 26.39% of the votes. Ashnoor is at the bottom with only 13.37% of the votes, and Bajaj is also in danger this week, having received 14.52% of the votes. Neelam Giri's game has improved – Neelam Giri's performance in Bigg Boss 19 is surprising, as she has surpassed Abhishek Bajaj and Ashnoor Kaur in the voting list as of Wednesday. Neelam has received a total of 18.81% of the votes. However, these are only the voting trends for one day, and they may change by Friday. Before the Weekend Ka Vaar episode, we will bring you another voting list, which will make it clear which two contestants are likely to be eliminated this week. For now, this list makes it clear that if Ashnoor and Abhishek want to move towards the trophy, they will have to show the audience their individual game strategies. Otherwise, one of them is certain to be eliminated.